छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 265 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 16 अक्टूबर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

खाट से बांधकर वृद्ध को पेट्रोल बम से उड़ाया, मौके पर हो गई मौत

दामाद पर वारदात को अंजाम देने का संदेह, मृतक के पत्नी की हालत गंभीर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोरिया जिले में वृद्ध को घाट से बांधकर पेट्रोल बम से उड़ाने का मामला सामने आया है, जिसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। मृतक के पत्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है। वारदात के बाद आरोपी भाग निकले। मामला बचरा पोड़ी थाना क्षेत्र का है। मामले में मृतक के दामाद पर संदेह की स्थिति बनी हुई है, जिसके तलाश में पुलिस लगी है।

जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम राय राम (60), वहीं घायल महिला का नाम पार्वती (59) है। दोनों ग्राम साल्ही के रहने वाले हैं। 14 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे दो हमलावर मुंह में कपड़ा बांधकर राय राम के घर में घुसे। आरोपियों ने बुजुर्ग रामसाय को खाट से बांध दिया। इस दौरान रामसाय की पत्नी भी मौके पर मौजूद थी। दोनों को आरोपी ने घर के अंदर बंद कर दिया और घर का दरवाजा बाहर से बंद कर करके पेट्रोल बम फेंक दिया। धमाके से बुजुर्ग की मौके पर मौत हो गई, उसकी पत्नी गंभीर रूप से झुलस गई। धमाके की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। घायल महिला को फौरन नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। घायल पार्वती को इलाज के बाद गंभीर हालत में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर किया गया, हालत में सुधार नहीं होने की वजह से उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है।

घर में हुआ विस्फोट, ग्रामीण की मौत

स्थानीय लोगों के मुताबिक बम धमाके की वजह से घर के अंदर जबरदस्त विस्फोट हुआ। घर का बड़ा हिस्सा जल गया है। घर की छत भी उड़ गई है। सामान इधर-उधर बिखरे पड़े हैं। कपड़े जल गए हैं। बर्तन भी टूटे-फूट पड़े हैं। पूरा घर तहस-नहस हो गया है। परिवार के लोगों ने बताया कि करीब 4 महीने पहले मृतक का दामाद ससुराल आया था और अपना सामान वापस मांगते हुए विवाद किया था। उसने अपने साला राघव पर छर्रे वाली बंदूक से गोली भी चलाई थी। पुलिस उसकी तलाश में जुटी, लेकिन वह नहीं पकड़ा जा गया। वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। देर रात बचरा पोड़ी थाना प्रभारी मुनाफ पटेल की टीम मौके पर पहुंची। सुबह कोरिया एसपी रवि कुर्रे भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का मुआयना करने के साथ ही परिवार के लोगों से बातचीत की।

मृतक के बेटी-दामाद में होता था विवाद

पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे ने बताया कि वारदात में दामाद के शामिल होने का शक है। राम साय की बेटी ने कानपुर, उत्तर प्रदेश के युवक से इंटर कास्ट मैरिज की थी। युवक ड्राइवर का काम करता है। युवक ने एक अन्य शादी की थी, जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और वह अपने घर आ गई थी। वह ससुराल से कुछ सामान भी ले आई थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। शक है कि दामाद ने इसी वजह से अपने सास-ससुर को मारने की साजिश रची। परिजनों से पूछताछ की जा रही है। दामाद की तलाश की जा रही है।

5 साल से फरार लूट का शातिर आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

तलाश में लगी पुलिस को लेना पड़ा तकनीकी दक्षता का सहारा

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। वर्ष 2020 में हुए चर्चित लूटकांड के आरोपी को पांच वर्ष बाद मुंबई से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अत्याधुनिक तकनीकी के सहारे आरोपी को ट्रेस किया।

बता दें कि घटना दिनांक 10 दिसंबर 2020 को शंकरगढ़ निवासी रूपेश कुमार अग्रवाल के घर में पूजा-पाठ कराने के बहाने तीन तथाकथित बाबा संजय शर्मा उर्फ सच्चिदानंद, आंसुतोष सिंह और संजय मिश्रा पहुंचे थे। पूजा के दौरान चांदी के गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां और 1 लाख 71 हजार रुपये नकद एक थाली में रखा गया था। पूजा समाप्त होने के बाद ठगों ने पूजा सामग्री को शुद्धिकरण हेतु नदी में विसर्जित करने के लिए कहा। इसके बाद रूपेश अपने साथी इन्द्रदेव सिंह के साथ उनके बताए अनुसार भोंदना नदी गया। जैसे ही वे पूजा सामग्री विसर्जित करने लगे, तभी बाबा संजय मिश्रा रूपेश को धक्का देकर गिरा दिया और उसके गले से सोने का 3 तोला का चैन, पूजा थाली में रखे 1 लाख 71 हजार रुपये नकद और चांदी की मूर्तियां लेकर फरार हो गया। नेटवर्क बाधित होने के कारण घटना की सूचना तत्काल थाने में नहीं दी जा सकी, बाद में पीड़ित ने थाना शंकरगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना शंकरगढ़ में मामले में धारा 392, 420, 120 (बी) भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपी आंसुतोष सिंह को गिरफ्तार करके पुलिस ने उसके पास से 10 हजार 100 रुपये नकद, स्कार्पियो वाहन क्रमांक एमपी 19 सीबी 9280, मोबाइल फोन और अन्य वस्तुएं जब्त की थी। मुख्य आरोपी संजय मिश्रा घटना के बाद से फरार था, वह अपनी पहचान छिपाकर मुम्बई में लुक-छिपकर रह रहा था। फरार आरोपी को पकड़ना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती था। बलरामपुर पुलिस की टीम ने आधुनिक तकनीकी, लोकेशन ट्रैकिंग और उत्कृष्ट अनुसंधान का प्रयोग करते हुए आरोपी संजय मिश्रा पिता बैजनाथ मिश्रा 38 वर्ष, निवासी ईटावरी, थाना जवा, जिला रीवा मध्यप्रदेश को मुंबई से गिरफ्तार किया और बलरामपुर लेकर पहुंची। आरोपी को न्यायालय राजपुर में पेश किया गया, यहां से पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र जायसवाल, सउनि रफैल तिर्की, आरक्षक अशोक गोयल एवं सुखलाल सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

बिजली मेन्टनेंस का काम करते 3 ठेका कर्मचारी करंट की चपेट में आए, एक की मौत

घायलों का चल रहा उपचार, जिम्मेदार अधिकारी की भूमिका सवालों के घेरे में

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। विद्युत विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण एक ठेका कर्मचारी की जान चली गई, दो घायलों का उपचार चल रहा है। ग्राम जजगा में मेंटेनेंस का कार्य करने के दौरान वह 33 हजार केव्ही विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गया था।

जानकारी के मुताबिक ठेका कर्मी तुलेश्वर ठाकुर पिता बलभद्र सिंह ठाकुर 30 वर्ष लखनपुर निवासी सफीर एक्का पिता कोलू राम निवासी सीतापुर, सतनारायण सिंह पिता धीर साय 31 वर्ष निवासी ग्राम अमदला एक समूह में 33 हजार केव्ही मेंटेनेंस का कार्य कर रहे थे, इसी दौरान उदयपुर सलका के 132 केव्ही स्टेशन फीडर से आए हाईटेंशन तार की चपेट में आने से तीनों घायल हो गए। इन्हें लखनपुर अस्पताल लाया गया, यहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत तुलेश्वर ठाकुर को मृत घोषित कर दिया था। स्वजन इससे संतुष्ट नहीं थे, और वे तुलेश्वर ठाकुर को लेकर होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे, यहां इमरजेंसी कक्ष में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित किया। सफीर एक्का और सत्यनारायण सिंह का उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में जारी है।

त्योहारों के मद्देनजर चल रहा मेंटनेंस का कार्य

आगामी दीपावली और छठ त्यौहार के मद्देनजर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के द्वारा मेन्टनेंस का कार्य किया जा रहा था, इसके लिए विद्युत विभाग के द्वारा विज्ञापन जारी किया गया है। सूत्रों की मानें तो लखनपुर जेई सचिन कुजूर के द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के 33 हजार केव्ही का मेंटेनेंस कार्य बिना सुरक्षा व्यवस्था के ठेका कर्मियों से कराया जा रहा था। इसी लापरवाही के कारण मेन्टनेंस के कार्य दौरान करंट की चपेट में आने से तुलेश्वर की मौत हो गई, दो घायल हो गए। कंपनी के विज्ञापन अनुसार 14 अक्टूबर को ग्राम तुरना फीडर के बेलखरिखा, पर्री, अमलभिट्टी, मुकुंदपुर, ईरगवा एवं अन्य ग्राम में व 33/11 केव्ही उपकेंद्र तुरना के फीडर से निकलने वाले ग्राम खुटिया, पथरी, महंगई व अन्य ग्रामों में मेंटेनेंस का कार्य सुबह 9 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक होना था। नियमों को ताक पर रखकर विद्युत विभाग के द्वारा बिना किसी सुरक्षा के ठेका कर्मियों से मेन्टनेंस कार्य कराने से एक घर का चिराग त्योहार के मौके पर बुझ गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

सुबह 10.40 बजे कार्यालय से हुए रवाना

बिजली विभाग में वाहन चालक का काम करने वाले लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोरता निवासी दुर्गेश राजवाड़े पिता रामप्रसाद राजवाड़े 31 वर्ष ने पुलिस को बताया कि 14 अक्टूबर को जेई सचिन कुजूर के निर्देश पर वह लाइन मेंटनेस का काम करने सुबह करीब 10.40 बजे विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मचारी भुनेश्वर दास, सफिर एक्का, संजय सिंह, छोटूलाल टोप्पो, सतनारायण टेकाम, संतोष सिंह, पनमेश्वर पैकरा, फलेश्वर सिंह, पुरन सिंह, तुलेश्वर ठाकुर को विभागीय वाहन में बैठाकर 33 केव्ही उदयपुर फिडर का मेंटनेस कार्य करने के लिए लेकर गया था। सभी कर्मवारी तीन-तीन के समूह में उतरकर काम करने के लिए चले गए थे। तुलेश्वर ठाकुर, सतनारायण टेकाम व सफिर एक्का एक ग्रुप में थे, जो जजगा में काम करने के लिए उतरे। इसके बाद वह केशगवां की ओर अन्य स्टाफ को छोड़ने गया था। दोपहर करीब एक बजे छोटूलाल फोन करके जल्दी गाड़ी लेकर आने कहा और बताया कि तुलेश्वर, सतनारायण व सफिर एक्का करंट की चपेट में आ गए हैं। जब वह जजगा आया तो सफिर एक्का बातचीत कर रहा था, दो अन्य बेहोश थे। तीनों को विभागीय वाहन में लेकर वह स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर पहुंचा, यहां से इलाज के बाद चिकित्सक ने तुलेश्वर ठाकुर को रिफर कर दिया। किराए के वाहन से वे उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक एक्समेन सिक्युरिटी सर्विस से संबद्ध

मृतक तुलेश्वर ठाकुर एक्समेन सिक्युरिटी सर्विस से संबद्ध था, जो लखनपुर में स्थित बिजली विभाग के जेई सचिन कुजूर के अधीन काम करता था। बयान के अनुसार सफिर एक्का ने विभागीय वाहन चालक को बताया था कि भूलवश दूसरे करंट प्रवाहित फिडर में काम करते वक्त करंट की चपेट में तीनों आ गए। मामला जो भी है, लेकिन तीनों कर्मचारियों का एक साथ काम करते वक्त करंट की चपेट में आना गंभीर मसला है। सवाल यह भी उठता है कि बिना तकनीकि मार्गदर्शक के इन्हें काम के लिए कैसे रवाना किया गया? करंट प्रवाहित फिडर में गलती से काम करने की बातें सामने लाकर कहीं पल्ला झाड़ने की कोशिश तो नहीं है? घटना से साथी कर्मचारियों और स्वजन में शोक का माहौल है।

जेई ने फोन नहीं किया रिसीव

इस संबंध में लखनपुर के जेई सचिन कुजूर से फोन करके उनका पक्ष लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया गया।

मारपीट और झूमाझटकी के बीच 10 हजार रुपये गायब

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। इंद्रवाटिका में रोड लाइट का काम करने के बाद पेमेंट लेकर निकले युवक के साथ गालीगलौज व मारपीट करने के मामले में पुलिस ने 4 लोगों के विरूद्ध नामजद केस दर्ज किया है। इस दौरान 10 हजार रुपये गायब होने की जानकारी भी पुलिस को दी गई है।

जानकारी के मुताबिक मो. इमरान महामाया रोड में स्थित जावेद बैंड में रोड लाइट का काम करता है। इंद्रवाटिका में रोड लाइट का काम करने के लिए शाहिल खान बुक किया था। 13 अक्टूबर को वह अपने कर्मचारियों के साथ रोड लाइट लेकर इंद्रवाटिक गया था। काम खतम होने के बाद सहयोगी कर्मचारियों को वापस भेज दिया और स्वयं पेमेंट लेने के लिए रूक गया था। पेमेंट लेकर वापस घर जाते समय रात 1 से 1.30 बजे के करीब जैना तालाब के पास वह सिगरेट पीने के लिए रूका था, इसी दौरान गोलू खान, सुरेन्द्र सिंह उर्फ बिट्टु, यशवंत कश्यप एवं शान्तनु चेरवा शराब के नशे में पहुंचे और गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर सभी मारपीट करने लगे। मारपीट व झूमाझपटी की बनी स्थिति के बीच उसके पैकेट में रखा 10 हजार रुपये गायब हो गया। रिपोर्ट पर केस दर्ज करके पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

कस्टमर केयर का नम्बर खोजने के लिए गुगल का उपयोग नहीं करें

विवि इंजिनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों को मिली साइबर अपराध से बचाव की जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। साईबर जागरूकता अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में रेंज साइबर थाना के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा विश्वविद्यालय इंजिनियरिंग कॉलेज में जागरुकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर समाज सेवी संस्था सक्षम के कोषाध्यक्ष व जन शिक्षण संस्थान के पूर्व डॉयरेक्टर राजीव पाठक ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि वर्तमान में होने वाले साइबर फ्रॉड ज्यादातर डिजिटल मोबाइल से हो रहे हैं। कई प्रकार के फ्रॉड लिंक क्लिक करने के दौरान आधार नंबर, बैंक एकाउंट तथा ओटीपी डालने हेतु ऑप्शन आता है, इसे भरने के बाद फ्रॉड की स्थिति बनती है। बड़े हैकर के जाल में फंसने के बाद धोखाधड़ी का एहसास होता है। ऐसे में किसी अनजान नंबर से कॉल आने पर बैंक से संबंधित या किसी भी प्रकार का निजी डाक्यूमेंट का साझा नहीं करना चाहिए। रेंज साईवर थाना के सहायक उपनिरीक्षक मनोज उपाध्याय व प्रधान आरक्षक मिथलेस पाठक द्वारा साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम दौरान छात्राओं को समझाया कि बच्चों में ऑनलाइन गेम का शौक बढ़ते जा रहा है। इसके दुष्परिणाम एवं आर्थिक क्षति से बचने के बारे मे फोकस देते हुए उन्होंने साइबर फ्रॉड होने पर हेल्प लाइन 1930 पर फोन करके शिकायत दर्ज कराने एवं मोबाईल गुम होने पर ऑनलाईन साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने कहा। कस्टमर केयर का नम्बर खोजने गुगल का उपयोग नहीं करने और साइबर बुलिंग, साइबर फिशिंग एवं साइबर स्टाकिंग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान विश्व विद्यालय इंजिनियरिंग कॉलेज के समस्त छात्र-छात्राएं, महिला आरक्षक सुषमा पैकरा उपस्थित रहे।

हार्ट की बीमारी का इलाज कराने के लिए रखे 97 हजार रुपये को बदमाशों ने लूटा

दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और दिया घटना को अंजाम, पुलिस जांच में जुटी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। हार्ट की बीमारी का इलाज कराने के लिए रखे रुपये, बैंक का पासबुक सहित अन्य कागजात दरवाजा को तोड़कर अंदर घुसे लोगों ने हथियार के दम पर भयादोहन करते हुए ले लिया और चलते बने। दहशत में आए ग्रामीण ने स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद धौरपुर थाने में पहुंचकर घटना की जानकारी दी है।

धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कर्रा सेमरपारा निवासी अविवाहित ग्रामीण महेन्द्र मिश्रा ने पुलिस को बताया है कि वह घर में अकेले रहकर खेती-किसानी करता है। कभी-कभी उसकी विधवा भांजी अंबिकापुर से उसके यहां आना-जाना करती है। हार्ट की बीमारी होने के कारण वह अपने इलाज के लिए लगभग 97 हजार रुपये नकद जमा करके रखा था। रुपये के साथ पैन कार्ड, आधार कार्ड,तीन अलग-अलग बैंकों का पास बुक, आयुष्मान कार्ड लाल झोले में भरकर अलमारी में रखा था। 11 अक्टूबर की रात को उसके घर में भांजी भी मौजूद थी, जो दूसरे कमरे में सो रही थी। रात करीब 11.30 बजे उसके घर के दरवाजे को तीन व्यक्ति बलपूर्वक तोड़कर अंदर घुस गए, तीनों मास्क लगाए थे। जब वह शोर मचाने का प्रयास किया तो हल्ला नहीं, हल्ला नहीं कहते हुए एक आदमी उसके गला को दबा दिया, दूसरा आदमी बंदूक जैसा कोई हथियार उसके सिर में सटा दिया, और एक आदमी अलमारी को तोड़ते हुए रुपये के बारे में पूछताछ करने लगा। डर से वह अलमारी के ऊपर खाना में लाल झोला के अंदर रखे रुपये के बारे में बता दिया। झोला हाथ में लगने के बाद सभी 97 हजार रुपये नकद सहित अन्य दस्तावेज, पासबुक लेकर दौड़ते भाग गए। घटना के दौरान घर के दूसरे कमरे में मौजूद डर से बाहर नहीं निकली। इसकी जानकारी वह अगले दिन गांव के ही यादव परिवार के लोगों को दिया, और 14 अक्टूबर को घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराया है, जिस पर पुलिस अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

अंबिकापुर से रायपुर जा रहे सराफा व्यापारी के बैग से 90 लाख का जेवरात और नकदी पार

छ.ग.फ्रंटलाइन बिलासपुर। अंबिकापुर से रायपुर लौट रहे एक सराफा व्यापारी के बैग से अज्ञात चोरों ने करीब 90 लाख रुपये मूल्य का सोने-चांदी का जेवर और नकदी पार कर दिया। घटना के बाद व्यापारी ने रतनपुर थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है, पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सराफा व्यापारी किशोर कुमार रावल दिवाली सीजन को देखते हुए व्यापारिक कार्य के सिलसिले में अंबिकापुर आए थे। यहां से काम निपटाने के बाद वे देर रात यात्री बस से रायपुर लौट रहे थे। उनके पास एक बैग था, जिसमें लगभग 90 लाख रुपये का सोने-चांदी का जेवर और नकद रकम था। यात्रा के दौरान रतनपुर क्षेत्र से कुछ दूरी पर व्यापारी को नींद लग गई। कुछ समय बाद जब उनकी आंख खुली, तो उन्होंने देखा कि उनके बैग का चेन खुला हुआ है। बैग को जब उन्होंने खोलकर देखा तो सारा जेवर और नकदी गायब था। यह देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत बस चालक और परिचालक को घटना की जानकारी दी और रतनपुर थाने में पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक घटना देर रात की है। बस में कई यात्री सवार थे। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चोर पहले से व्यापारी का पीछा कर रहे थे या बस में ही किसी यात्री ने मौका देखकर बैग से जेवरात निकाल लिया होगा। पुलिस ने बस में यात्रा करने वाले यात्रियों से पूछताछ शुरू कर दी है। इसके अलावा, बस स्टैंड और मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को पुलिस खंगाल रही है, ताकि संदिग्धों का पता चल सके। व्यापारी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है। बस में सवार यात्रियों और स्टाफ से पूछताछ जारी है।

पहाड़ी कोरवा जनजातियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के नए द्वार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में आने वाले पहाड़ी कोरवा अपनी विलक्षण संस्कृति और सरल स्वाभाव के लिए प्रसिद्ध हैं। इस जनजाति के लोग पहाड़ी क्षेत्रों पर दूर-दूर अपने घर बनाकर निवास करते हैं। परन्तु दुर्गम ऊंचे पहाड़ों में निवासरत लोग अब शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी ले पा रहे हैं। पहाड़ी कोरवाओं को शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले इस हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना लायी गई। पहाड़ी कोरवा जनजातियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के नए द्वार खुल गए हैं।

स्वास्थ्य सुविधा के साथ मोबाइल मेडिकल यूनिट की सुविधा

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाएं जन-जन तक पहुँच रही है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में सुदूर पहाड़ी कोरवा गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो रही है। कोरवा परिवार अब सरकारी योजनाओं के तहत चिकित्सा सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। पहले बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से दूर रहने वाले पहाड़ी कोरवा समुदाय अब स्वास्थ्य शिविरों और मोबाइल मेडिकल यूनिट से जुड़ रहे हैं। जहां ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन, मलेरिया जांच जैसी सेवाएँ नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

381 शिविर से 26 हजार 498 पहाड़ी कोरवा लाभान्वित

जिले में पहाड़ी कोरवा की संख्या 19 हजार 744 है। पहाड़ी कोरवा क्षेत्रों में 99 शिविर आयोजित कर 2 हजार 972 महिलाओं को लाभ दिया गया। इस वित्तीय वर्ष में इन क्षेत्रों में एमएमयू के माध्यम से 381 शिविर आयोजित कर 26 हजार 498 पहाड़ी कोरवाओं को लाभान्वित किया गया। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत 19 हजार 179 पहाड़ी कोरवा परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है, जो नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ ले रहे हैं।

कुपोषण और एनीमिया को दूर करने आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन

पहाड़ी कोरवा बच्चों में कुपोषण और एनीमिया को दूर करने स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्रों में नियमित जांच की जा रही है, जिसमें बच्चों की जांच कर चिन्हांकित बच्चों को बेहतर पूरक पोषण आहार एवं उपचार उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हेतु आपातकालीन चिकित्सा वाहन की सुगम सुविधा प्राप्त हो रही है। जिससे सर्पदंश, आकस्मिक दुर्घटना, मातृत्व स्वास्थ्य जैसी दशाओं में तुरन्त स्वास्थ्य सुविधाएं उनके दरवाजे पर ही उपलब्ध हो रही है।

गैरेज में खड़ी आधा दर्जन ट्रकों से डीजल चोरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एनएच 43 पर अंबेडकर चौक के समीप स्थित अलग अलग गैरेज में खड़ी आधा दर्जन ट्रकों से डीजल चोरी की घटना ने ट्रक संचालकों को हैरान कर दिया है। मंगलवार की रात घटित घटना के संबंध में बताया गया है कि अम्बेडकर चौक पुरानी शराब भट्ठी के पास चार पांच गैरेज हैं। यहीं बनने के लिए कई गाड़िया आई हुई थीं। इसी दौरान देर रात आधा दर्जन गाड़ियों के डीजल टैंक का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने डीजल निकाल लिया है। सुबह गैरेज के पास खड़े गाड़ियों के टैंक के लॉक खुले मिले, जिसके बाद मामले की सूचना बिश्रामपुर पुलिस को दी गई है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डीजल चोरी की वारदात को देखा और चोरों की धरपकड़ के लिए आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज पुलिस खंगाल रही है। ज्ञात हो कि पिछले करीब 5-6 वर्षों से ठंड का मौसम शुरू होते ही डीजल चोरों की सक्रियता अलग अलग मार्गों में शुरू हो जाती है। लगातार वारदात के बाद पुलिस ने डीजल चोरों को पकड़ा भी है।अंतरराज्यीय गिरोह इस डीजल चोरी की वारदात को बड़ी शातिर तरीके से अंजाम देता है, जो चार पहिया वाहन से रेकी कर मौका पाकर हाथ साफ करते हैं। इलाके में पुन: डीजल चोरों की धमक से वाहन स्वामी परेशान हो गए हैं।

बर्तन दुकान का दरवाजा तोड़ नगदी समेत पचास हजार की चोरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रेलवे स्टेशन चौक बिश्रामपुर में एनएच 43 किनारे स्थित हरीश मेटल बर्तन दुकान के पिछले हिस्से के लगे दरवाजे को तोड़कर चोरों ने गल्ले में रखे चार हजार रुपए नगदी समेत करीब चालीस हजार से अधिक का फूल और कांसे का बर्तन अपने साथ ले गए हैं। घटना की जानकारी दुकानदार को दूसरे दिवस बुधवार को लगी, जब वे दुकान खोलने पहुंचे। यहां पर दुकानदार ने देखा कि अज्ञात चोरों ने दुकान के पिछले हिस्से में लगी लकड़ी के दरवाजे का हटका तोड़कर भीतर प्रवेश कर दुकान से फूल और कांसे का बर्तन सहित गल्ले में रखा करीब चार हजार रुपए नगद साथ ले गए हैं। दुकान संचालक दुर्गा राजवाड़े ने मामले की लिखित सूचना बिश्रामपुर पुलिस को दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच जांच में जुटी है। बताया जा रहा है कि चोर पिछले दरवाजे से पहुंचे थे, जिसका हिस्सा स्टेट वेयर हाउस गोदाम से लगा हुआ है। गोदाम में लगे सीसीटीवी फुटेज से पुलिस द्वारा चोरों का सुराग लगाने पहल की जा रही है।

मुर्गा खरीद बिक्री के नाम पर तीन लोगों से आनलाइन ठगी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मुर्गा खरीद बिक्री के नाम पर तीन लोगों से आनलाइन ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत रविंद्रनगर निवासी सूरज सरकार जो महावीरपुर कालीघाट में च्वाइस सेंटर का संचालन करता है, के अलावा देवनाथ व कालीघाट निवासी एक युवक के साथ मुर्गा खरीद बिक्री के सौदा में हजारों रुपए की आनलाइन ठगी की घटना को अज्ञात लोगों द्वारा अंजाम दिया गया है। मामले में एक ठगी के शिकार हुए युवक द्वारा अपना रकम वापस प्राप्त कर लेने की भी बात कही जा रही है, जबकि दो अन्य आनलाइन ठगी के शिकार युवकों द्वारा मामले की शिकायत साइबर सेल व जयनगर थाना में की गई है। मामले में पुलिस द्वारा ऑनलाइन ठगी करने वाले अज्ञात आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी गई है। मजे की बात यह है कि अज्ञात आरोपियों द्वारा तीनों मामले में मुर्गा खरीद बिक्री के नाम पर ऑनलाइन ठगी की घटना को अंजाम दिया गया है।

मानसून विदाई की ओर, राजधानी में हो रही स्थानीय कारणों से वर्षा

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मौसम विभाग के वैज्ञानिक के अनुसार अरब खाड़ी में आए सक्ती तूफान का छत्तीसगढ़ में कुछ खांस असर नहीं है। वैज्ञानिक के अनुसार अब स्थानीय कारणों से छूट-पूट वर्षा होगी।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा के अनुसार रायपुर में आज गरज-चमक के साथ वर्षा होगी। उन्होंने बताया कि अब मानसून की विदाई होने लगी है। भारी वर्षा का क्षेत्र उत्तरी छत्तीसगढ़ में रहने की संभावना है। प्रदेश में तेज वर्षा और हवा चलने के कारण धान में कीट प्रकोप बढ़ता जा रहा है। जल्द पकने वाली फसल खराब हो रही है जिससे भूरामाहो तथा चुहा नुकसान पहुंचा रहे हैं।

कुटुंब प्रबोधन से समाज में बढ़ेगी समरसता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। परिवार कुटुम्ब मिलन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सुनील कुलकर्णी अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख ने कहा कि संघ 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष मना रहा है। संघ ने निस्वार्थ सेवा, अनुशासन, राष्ट्र सर्वोपरि के मूल्य पर आधारित सामाजिक समरसता, पर्यावरण और शिक्षा जैसे क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने शताब्दी वर्ष के प्रमुख सात कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुटुंब प्रबोधन पारिवारिक रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है। हमें अपने से निम्न चार-पांच वर्ग के व्यक्तियों से संपर्क कर सहज रूप से समाज में पारिवारिक प्रेम की भावना एवं समरसता लाना है।

शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के अंतर्गत स्वदेशी, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य एवं कुटुंब प्रबोधन के बारे में उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि पंच परिवर्तन से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन के साथ उभरते भारत की चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है।कार्यक्रम नगर के अग्रसेन भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम संचालन खंड कार्यवाह विष्णु अग्रवाल ने किया। इस दौरान कोरिया विभाग प्रचारक नागेश नाथ योगी, जिला संघ चालक सत्यम गर्ग, विभाग संयोजक कुटुंब प्रबोधन राजेश अग्रवाल, विभाग सह प्रचार प्रमुख महेश गुप्ता, जिला मुख्य मार्ग एवं छात्रावास प्रमुख वीरेश सिंह, व्यवस्था प्रमुख मयंक गोयल, महाविद्यालयीन प्रमुख सुमित मित्तल, शेषनारायण क्षत्रीय, सत्यनारायण जायसवाल, मण्डल कार्यवाह संतोष गुप्ता, मंडल सह कार्यवाह योगेंद्र राजवाड़े, दुर्गा वहिनी की रचना सिंह एवं शशि राजवाड़े सहित अन्य उपस्थित थे।

राधागोविंद मंदिर कमलपुर में अखंड नाम संकीर्तन 4 नवंबर से

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी रास पूर्णिमा को गुरूदेव श्री मदन मोहन ब्रजवासी गोस्वामी के तिरोधान दिवस रासोत्सव के अवसर पर कार्तिक पूर्णिमा में 4 से 7 तक 16 प्रहर अखण्ड नाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष गौरांग मंडल ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 किनारे स्थित श्रीश्री राधागोविंद सेवाकुंज मंदिर कमलपुर प्रांगण में कार्तिक पूर्णिमा पर रासोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में 4 नवंबर को अधिवास एवं कलश यात्रा, 5 नवंबर को प्रात:6 बजे से अखण्ड नाम संकीर्तन प्रारंभ, 7 नवंबर को नाम संकीर्तन प्रात: 6 बजे समापन, 7 बजे नगर भ्रमण तथा दोपहर 12 बजे से धर्म प्रवचन पश्चात पदावली एवं लीला कीर्तन, दोपहर 3 बजे से महोत्सव एवं महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम में अधिकाधिक श्रद्धालुओं से शामिल होने आह्वान किया गया है। ज्ञात हो कि संध्या आरती प्रतिदिन संध्या 7 बजे से 8 बजे तक किया जाएगा।

कांग्रेस में सृजन या संघर्ष : पर्यवेक्षक टीम करेगी सियासी थर्मामीटर की जांच

अध्यक्ष बनने से पहले देना होगा कठिन सवालों के जवाब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पद को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में विकास ठाकरे को एआईसीसी की ओर से नियुक्त किया गया है। और उनके साथ पीपीसी पर्यवेक्षक के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री अमितेश शुक्ल,विधायक द्वारकाधीश यादव,पूर्व विधायक छनी साहू 16 अक्टूबर 2025 को दो दिवसीय प्रवास पर बलरामपुर पहुंच रहे हैं। यह टीम जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों के रघुनाथ नगर, वाड्रफनगर, रामचंद्रपुर, रामानुजगंज, बलरामपुर वही शाम 5.00 बजे जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लॉकों एवं अग्रिम संगठनों की बैठक में आवेदन पत्र संग्रह एवं प्रत्याशियों से एक-एक कर संवाद के साथ शाम 7.00 बजे सामाजिक एवं प्रोफेशनल समूहों के साथ बैठक करेंगे। तत्पश्चात 17 अक्टूबर 2025 को राजपुर, शंकरगढ़, चांदो, कुसमी का दौरा कर कार्यकर्ताओं और नेताओं से रायसुमारी करेंगे।

संगठन सृजन अभियान : नियम सख्त, मंशा स्पष्ट

कांग्रेस आलाकमान के निर्देश

पर चल रहे इस अभियान के तहत जिला अध्यक्षों के चयन के लिए पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। हर दावेदार को तीन पन्नों का आवेदन पत्र भरना होगा,जिसमें उनसे कई सख्त सवाल पूछे गए हैं। जैसे कि क्या उनके खिलाफ कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज है,क्या वे कभी पार्टी से निष्कासित हुए हैं,या किसी अन्य राजनीतिक दल के सदस्य रहे हैं। साथ ही यह भी पूछा गया है कि उन्होंने कितनी बार प्रशिक्षण शिविरों में हिस्सा लिया है,कौन से सामाजिक कार्य किए हैं और क्या उन्होंने कभी कोई चुनाव लड़ा है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद की दौड़ में बढ़ा रोमांच

जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए कुछ चुनिंदा दावेदारों की नाम सामने आ रहे हैं इनमें राजपुर ब्लॉक के ब्लॉक अध्यक्ष सुनील सिंह जो इस जिले के कांग्रेस प्रवक्ता एवं के रूप में बेहतर कार्य कर रहे हैं और वाड्रफनगर से हरिहर यादव का नाम मुख्य रूप से सामने आ रहा है पुराने एवं अनुभवी पदाधिकारी होने के साथ ही प्रबल दावेदार के रूप में इन्हें देखा जा रहा है।

कांग्रेस संगठन के लिए परीक्षा की घड़ी

कांग्रेस का यह संगठन सृजन अभियान न केवल पदों की भरती की प्रक्रिया है,बल्कि यह पार्टी के लिए विश्वास और नई ऊर्जा का पुनर्निर्माण भी माना जा रहा है। स्थानीय कार्यकर्ताओं में उत्साह तो है, लेकिन साथ ही एक प्रतिस्पर्धात्मक बेचैनी भी साफ दिखाई दे रही है। खासकर तब,जब फॉर्म के सवालों ने कई पुराने नेताओं की नींद उड़ा दी है,यह चुनाव अब केवल पद पाने की जंग नहीं, बल्कि कांग्रेस की साख और भविष्य की दिशा तय करने वाली कवायद बन गई है।

अमानक स्तर के खाद्य सामग्रियों की बिक्री पर की जा रही कार्यवाही

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। दीपावली पर्व को देखते हुए जिले के होटलों में बिक रहे अमानक स्तर की मिठाइयों एवं खाद्य सामग्रियों की बिक्री पर पाबंदी लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के द्वारा जिले के विभिन्न विकासखण्डों में स्थित होटलों, डेयरी, किराना एवं फल दुकानों निरीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही चलित खाद्य प्रयोगशाला वाहन के माध्यम से जिले में खाद्य पदार्थों का परीक्षण कर जांच किया जा रहा है। इसी कड़ी में खाद्य एवं औषधी प्रशासन द्वारा राधा मिष्ठान भण्डार, छोटू ढाबा, बिकानेर मिष्ठान भण्डार, कुशवाहा रेस्टोरेंट सहित 32 खाद्य प्रतिष्ठानों से 53 खाद्य नमूना लेकर जांच एवं परीक्षण की कार्यवाही की जा रही है।

जनकल्याणकारी नीतियों से सशक्त हो रहा श्रमिक परिवार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण कर रहे श्रमिक के पुत्र बिट्टू कुशवाहा ने अपनी मेहनत और लगन से पूरे जिले के नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चलित मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना ने श्रमिक परिवारों के सपनों को नई दिशा दी है।

विकासखण्ड कुसमी के ग्राम नवाडीह निवासी श्री कमलेश कुशवाहा जो श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक है। जो अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार प्रयासरत रहे। सीमित आय और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने बेटे की शिक्षा में कभी कमी नहीं आने दी। परिणामस्वरूप बिट्टू कुशवाहा ने कक्षा 10वीं के परीक्षा में राज्य में टॉप 10 में अपनी जगह बनाई तथा नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत बिट्टू कुशवाहा लाभान्वित हुए। उन्हें कुल 2 लाख रुपये की शैक्षणिक सहायता राशि प्रदान की गई। जिसमें 1 लाख रुपये वाहन के लिए एवं 1 लाख रुपये शिक्षा सहायता राशि दी गइ। इस आर्थिक सहयोग से बिट्टू उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने सपनों को

साकार कर सकेगा। बिट्टू ने बताया कि मेरे पिता ने हमेशा मेहनत करना सिखाया है और वे कहते है कि निरंतर कोशिश करने वालों को कभी निराशा नहीं होती। बिट्टू कहता है कि मेहनत करना पिता से सीखा तो वहीं सपनों को पूरा करने का उम्मीद शासन की योजनाओं से संभव हो रहा हैं। वह बताता है कि वाहन के लिए प्राप्त राशि से उसने स्कूटी खरीदा और आगे नीट की तैयारी कर रहा है, ताकि चिकित्सा क्षेत्र में जाकर अपनी सेवाएं दे सके। बिट्टू के पिता श्री कमलेश कुशवाहा भावुक होकर कहते हैं कि पहले लगता था बच्चों की पढ़ाई महंगी है अब शासन की मदद से हमारे बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी नीतियों से श्रमिक परिवारों को आर्थिक लाभ पहुँचाया जा रहा है। इन्हीं योजनाओं में से एक है मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना। इस योजना का उद्देश्य श्रम विभाग में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का सख्ती से करे पालन

प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की हुई समीक्षा, दिसम्बर माह तक सभी कार्य पूर्ण कराए जाने दिए गए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में बुधवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि निर्माणाधीन आवासों को दिसम्बर माह तक पूर्ण कराएं, प्राथमिकता के साथ कार्य में तेजी लाएं और समय सीमा में पूर्ण कराए जाएं। ग्रामवार बैठक लेकर लगातार अपडेट लें, हितग्राहियों से भी चर्चा कर समस्याओं का समाधान किया जाए। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा की। निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की जानकारी लेते हुए, सम्बंधित अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूरे कराए जाने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पीवीटीजी बसाहटों तक आधारभूत सुविधाओं की पहुँच के लिए सड़क कनेक्टिविटी जरूरी है, इसलिए जल्द से जल्द कार्य पूर्ण हों। इसके साथ ही उन्होंने पीएम जनमन योजनांतर्गत मल्टीपर्पज सेंटर, पीवीटीजी वन धन विकास केंद्र, पीएमएवाई ग्रामीण, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण की प्रगति सहित अन्य कार्यों की समीक्षा की।

इस दौरान धान खरीदी की तैयारियों की जानकारी ली गई। कलेक्टर श्री भोसकर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी आगामी 15 नवम्बर से प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस हेतु एग्रीस्टैक पोर्टल में किसानों का पंजीयन 31 अक्टूबर तक पूर्ण कर लिए जाएं। धान खरीदी शासन की उच्च प्राथमिकता है, इसलिए गंभीरता के साथ सतर्कता बरतते हुए तैयारियां की जाएं। बैठक में कलेक्टर जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर भोसकर द्वारा कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में विभागों के सम्बन्ध में दिए गए दिशा-निर्देशों पर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। सभी विभाग जेम्स पोर्टल से खरीदी में पारदर्शिता बरतें। पीएम सूर्यघर विद्युत योजना के क्रियान्वयन के संबंध चर्चा करते हुए कहा कि योजना का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, लोगों को इसके लाभ के बारे में बताएं। स्वास्थ्य विभाग को शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्था सुदृढ़ करने करने निर्देशित किया गया तथा विभिन्न कार्यक्रमों एवं अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने कहा गया। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग से पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से सतत मॉनिटरिंग, पोषण चौपाल लगाए जाने, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, बालवाड़ी, व्यवसायिक शिक्षा, मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान, बोर्ड परीक्षा परिणाम, अपार आईडी निर्माण में प्रगति, पीएमश्री स्कूलों के सम्बंध में जानकारी ली गई। सरस्वती सायकल योजनांतर्गत सायकल वितरण स्थिति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक स्कूल में न्योता भोज का आयोजन सुनिश्चित करें। युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने रोजगार मेला, लोन मेला आयोजित करने कार्ययोजना बनाए जाने कहा गया। इसके साथ ही अन्य विभागों से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए दिशा -निर्देश दिए गए।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर होगा तीन दिवसीय आयोजन, कलेक्टर ने ली बैठक

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 02 नवम्बर से 04 नवम्बर 2025 तक स्थानीय कला केंद्र मैदान में कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। कार्यक्रम की तैयारी के सम्बंध में बुधवार को कलेक्टर विलास भोसकर ने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, राम सिंह ठाकुर, अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम कमिश्नर डी एन कश्यप, सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री भोसकर ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विकास विभागों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिसमें विभागीय उपलब्धियों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा, जिसका थीम 25 वर्षों की विकास यात्रा होगी। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। उन्होंने कहा कि विभागों को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने सभी तैयारियां समय पर पूरी करने अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

सरगुजा जिले में गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क मामलों में सफल प्रसव से मिला नया जीवन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। एक मां की मुस्कान से सिर्फ उसका घर ही नहीं, बल्कि पूरा समाज खुशहाल बनता है। इस उद्देश्य को साकार करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा है। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025-26 के अवसर पर 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चले 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान ने नारी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को नई दिशा दी है। इस विशेष अभियान के दौरान जिलेभर में गर्भवती महिलाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज कीं हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत कुल 2,612 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिनमें से 439 हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के रूप में चिन्हित किया गया। सोनोग्राफी जांच में 425 महिलाओं की जांच की गई, जिनमें दूसरी और तीसरी तिमाही की 220 एवं 205 महिलाओं की स्क्रीनिंग हुई।

विशेषज्ञ स्त्रीरोग चिकित्सकों की टीम ने सभी विकासखंडों में शिविर आयोजित कर गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण काउंसलिंग और उपचार उपलब्ध कराया। इस कार्य में डॉ. किरण भजगावली, डॉ. आर.एस. मरकाम, डॉ. सृष्टि पांडे, डॉ. रजनी किशोर एक्का और डॉ. प्रियंका सिंह सहित अन्य विशेषज्ञों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

हाई रिस्क केस में सफल सर्जरी

सीएचसी सीतापुर में सोनोग्राफी के दौरान दो गंभीर हाई रिस्क मामलों में ग्राम रजोटी की 25 वर्षीय मनीषा और ग्राम ललितपुर की 35 वर्षीय संजयवती को तत्काल सिजेरियन ऑपरेशन की आवश्यकता बताई गई। एफआरयू सीतापुर में निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. रूपक और स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. संयोंगिता पैंकरा की टीम ने दोनों का सफल ऑपरेशन कर मां और नवजात की जिंदगी सुरक्षित की।

स्वास्थ्य शिविरों में रिकॉर्ड सहभागिता

स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार अभियान के तहत जिले में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में नागरिकों का उत्साह देखने को मिला। अभियान अंतर्गत कुल ओपीडी मरीज 40,358, उच्च रक्तचाप जांच 82,182, डायबिटीज स्क्रीनिंग 21,741, कैंसर जांच 11,877,क्षएनीमिया जांच 10,073, क्षय रोग जांच 16,572,ज्ञसिकल सेल जांच 1,994, टीकाकरण 1,214, नेत्र जांच 4,652, निःशुल्क चश्मा वितरण 65, मोतियाबिंद ऑपरेशन 111, वयोवृद्ध कार्ड जारी 156, ब्लड डोनेशन 301 यूनिट एकत्र किया गया।

रजत महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा में मिली जनभागीदारी

रजत जयंती व सेवा पखवाड़ा के तहत सामाजिक, राजनीतिक और शासकीय संस्थाओं की भागीदारी से आयोजित रक्तदान शिविरों में 301 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो थैलेसीमिया, सिकलिंग और अन्य मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अभियान की सफलता के लिए सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सहयोगी संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त छत्तीसगढ़ की नींव है। यह अभियान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

त्यौहार के मद्देनजर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की सघन कार्यवाही, मिलावट की रोकथाम के लिए शुरू हुआ जांच अभियान

छ.ग.फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। दीपावली पर्व के मद्देनजर उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला सरगुजा द्वारा जिलेभर में मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में, सरगुजा जिले के अंतर्गत मिठाई दुकानों, डेयरी एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। दीपावली के दौरान खोवा, दूध एवं अन्य दुग्ध उत्पादों की बिक्री बढ़ने के कारण मिलावट की संभावना को ध्यान में रखते हुए यह अभियान विशेष सतर्कता के साथ संचालित किया जा रहा है। जिले में पदस्थ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा अंबिकापुर शहर के विभिन्न चौराहों एवं प्रमुख बाजार क्षेत्रों में दूध विक्रेताओं एवं डेयरी उत्पादों की जांच की जा रही है। बाहर से लाए जा रहे दूध एवं खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजे जा रहे हैं। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम-विनियम 2011 के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विगत दिनों मेसर्स औरा ए. फूड लॉन्ज, अंबिकापुर से संकलित पनीर एवं मेसर्स मोहन भोग स्वीट्स एंड बेकर्स, जनपद पंचायत के पास से संकलित खोवा के नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर से प्राप्त रिपोर्ट में अवमानक स्तर के पाए गए हैं। दोनों प्रतिष्ठानों के विरुद्ध संबंधित अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयीन कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। इसके अतिरिक्त विभागीय चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला (मोबाइल वैन) के माध्यम से भी जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की स्थल पर जांच की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह जांच अभियान दीपावली पर्व के दौरान निरंतर जारी रहेगा, ताकि बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके और आमजन के स्वास्थ्य की रक्षा हो सके।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। शासकीय लरंग साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामानुजगंज में आयोजित क्षेत्र स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में हमारे नवीन शासकीय महाविद्यालय रघुनाथ नगर के होनहार पुरुष खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय रघुनाथ नगर से देव प्रसाद (बी.एस-सी तृतीय सेमेस्टर) छात्र का राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु चयन किया गया। वहीं दिनांक 14 अक्टूबर 2025 प्रतापपुर स्थित शासकीय कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर में आयोजित सेक्टर स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में रघुनाथ नगर की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया नवीन शासकीय महाविद्यालय रघुनाथ नगर की छात्राएं सुमित्रा यादव एवं हिना परवीन की जोड़ी ने छात्र वर्ग की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। दोनों छात्राओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु चयन भी किया गया। दोनों महाविद्यालयों से प्राप्त उपलब्धि क्रीड़ा प्रभारी डॉक्टर प्रदीप सैनी के मार्गदर्शन एवं सतत प्रशिक्षण का परिणाम है। दोनों वर्गों के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए यह सफलता हासिल की महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंह जी ने विजेता छात्र-छात्राओं एवं क्रीड़ा प्रभारी को हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि हमारे छात्र - छात्राएं निरंतर परिश्रम और समर्पण के बल पर महाविद्यालय तथा अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोनिक इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स हब का किया उद्घाटन

छ.ग.फ्रंटलाइन,नई दिल्ली। भारतीय रेल्वे ने दो नई डोर-टू-डोर माल एवं पार्सल सेवाओं का प्रारंभ किया। जिसका उद्घाटन केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डोर-टू-डोर सेवाएँ देश के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इससे दक्षता बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। उन्होंने कहा कि अब उद्योगों को अपने गंतव्य तक पहुँचाने के लिए पूरा रेक भरने की आवश्यकता नहीं होगी, वे कुछ कंटेनर भी भेज सकेंगे। वैष्णव ने जोड़ा कि फैक्टरियों और ट्रेनों के लोडिंग/अनलोडिंग पॉइंट्स के बीच का लॉजिस्टिक अंतर अब भारतीय रेल द्वारा डोर-टू-डोर सेवाओं के माध्यम से पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि माल गोदामों या लॉजिस्टिक्स टर्मिनलों को कंटेनरों की स्टफिंग और डी-स्टफिंग की सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे ग्राहक नई सेवा मॉडल का पूरा लाभ उठा सकेंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सोनिक इस सुविधा की पेशकश करने वाला पहला इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स हब बन गया है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल पहल के तहत अब तक 115 टर्मिनल विकसित किए गए हैं, जो मल्टीमॉडल सेवाएँ प्रदान कर ग्राहकों को बड़ा लाभ दे रहे हैं। मुंबई-कोलकाता कॉरिडोर से शुरुआत करते हुए, जल्द ही और सेवाएँ शुरू की जाएंगी ताकि सामानों की सुचारू आवाजाही और अधिक शहरों से संपर्क सुनिश्चित किया जा सके। मंत्री ने कहा कि एक और प्रयोग सफल रहा है। किसानों के लाभ के लिए ट्रैक्टर जैसे उपकरणों का सुलभ दरों पर परिवहन। जिस प्रकार कार कार्गो कुशलतापूर्वक स्थानांतरित किए जाते हैं, उसी प्रकार अब ट्रैक्टर और भारी निर्माण उपकरण (जेसीबी) के लिए भी परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार ने जोर देकर कहा कि डोर-टू-डोर डिलीवरी पहल रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स में एक परिवर्तनकारी बदलाव है। जहाँ किसी कंसाइनी का माल सीधे गोदाम/फैक्ट्री से उठाया जाएगा और अंतिम गंतव्य तक भारतीय रेल द्वारा पहुँचाया जाएगा। विकसित भारत की लॉजिस्टिक्स दृष्टि के अनुरूप, यह पहल भारतीय रेल के माल वाहक से पूर्ण लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता बनने की दिशा में परिवर्तन का प्रतीक है। यह उल्लेखनीय है कि भारतीय रेल विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मालवाहक है, जो प्रतिवर्ष 1.6 बिलियन टन सामान का परिवहन करता है।

लॉजिस्टिक्स हब/सेवाओं का विवरण

1. रेलवे गुड्स शेड्स को इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स हब के रूप में सोनिक, लखनऊ मंडल में है। यह टर्मिनल लखनऊ से लगभग 50 किमी और कानपुर से 20 किमी दूर स्थित है, जो राजधानी और एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के बीच सेतु का कार्य करता है। यह कानपुर और लखनऊ क्षेत्र की बढ़ती लॉजिस्टिक्स आवश्यकताओं को पूरा करेगा, ग्राहकों को डोर-टू-डोर लॉजिस्टिक्स, कार्गो वितरण हब और इन्वेंटरी प्रबंधन सेवाएँ प्रदान करेगा। सभी टर्मिनल संचालन का प्रबंधन कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड करेगा और फर्स्ट एवं लास्ट माइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगा।

2. आश्वस्त पारगमन कंटेनर ट्रेन सेवा (दिल्ली से कोलकाता)

इसका उद्देश्य प्रीमियम सेवा सुनिश्चित पारगमन समय की गारंटी देना है और सड़क परिवहन का विश्वसनीय विकल्प प्रदान करना है। इसका मार्ग दिल्ली-आगरा-कानपुर-कोलकाता रहेगा। सप्ताह में दो बार प्रत्येक बुधवार और शनिवार को प्रस्थान करेगी। इसमें 120 घंटे का समय लगेगा। इस सेवा में मध्यवर्ती टर्मिनलों (तुगलकाबाद- दिल्ली, आगरा, कानपुर आईसीडीजी साइडिंग) और कोलकाता आईसीडीजी साइडिंग)) पर लोडिंग और अनलोडिंग संचालन शामिल हैं, जहाँ मानक ठहराव समय 6 घंटे है। बुकिंग को लचीला बनाया गया है जिससे ग्राहक अपनी सप्लाई चेन आवश्यकताओं के अनुसार कई विकल्प चुन सकते हैं, डोर-टू-डोर, डोर-टू-टर्मिनल, टर्मिनल-टू-डोर और टर्मिनल-टू-टर्मिनल। इस आश्वस्त पारगमन सेवा के लिए फर्स्ट माइल और लास्ट माइल सेवाओं की बुकिंग और प्रबंधन उपयोगकर्ता अनुकूल कॉनकोर ई-लॉजिस्टिक्स मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जा सकता है।

3. रेल पार्सल वैन के माध्यम से डोर-टू-डोर पार्सल सेवा

यह एकीकृत सेवा तीन हिस्सों में बंटी है।फर्स्ट माइल-कॉनकोर के प्रमाणित बिजनेस एसोसिएट्स द्वारा। लास्ट माइल-अंतिम डिलीवरी फिर से कॉनकोर के बिजनेस एसोसिएट्स द्वारा। सेवा फिलहाल मुंबई (भिवंडी रोड) से कोलकाता (सांकरेल) मार्ग (1930 किमी) पर चालू है। यह कैस्ट्रॉल इंडिया (ल्यूब ऑयल), वीआईपी इंडस्ट्रीज (बैग), गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड (रेफ्रिजरेटर एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) और नेस्ले (एफएमसीजी उत्पाद) जैसे प्रमुख ब्रांड्स की खेप को सफलतापूर्वक संभाल रही है। मुंबई और कोलकाता हब पर 5400 सीएफटी का विशाल कार्गो भंडारण केंद्र उपलब्ध है। सड़क परिवहन की तुलना में रेल पार्सल सेवा से लॉजिस्टिक्स लागत में 7 प्रतिशत की कमी आती है और पारगमन समय लगभग 30 प्रतिशत तेज़ है।

अपनी संस्कृति और भाषा को अगली पीढ़ी तक पहुचाने की लिए तिब्बती भाषा में होती है पढ़ाई

छ.ग.फ्रंटलाइन,सरगुजा। छत्तीसगढ़ के एक स्कूल के बारे में जानकर आपको बहुत ही हैरान हो जायेंगे क्योंकि यहाँ तिब्बती भाषा में पढ़ाई होती हैं। यह स्कूल छत्तीसगढ़ के शिमला कहे जाने वाले मैनपाट मे स्थित है। बच्चे स्कूल में एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम ही पढ़ते है लेकिन ये सभी विषय की भाषा तिब्बती होती है। ये एक प्राइवेट स्कूल है लेकिन यहां निशुल्क शिक्षा दी जाती हैं, स्कूल का खर्च तिब्बती प्रशासन मुख्यालय धर्मशाला से उठाया जाता है। बड़ी बात ये है कि यहां पर पढ़ाई का उद्देश्य सिर्फ नौकरी पाना नहीं बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना है। ये स्कूल छात्रों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है।

स्कूल का इतिहास

1962 में भारत सरकार ने तिब्बतियों को शरणार्थी बनाकर यहां बसाया और तब से मैनपाट मिनी तिब्बत के नाम से भी प्रचलित हुआ। तिब्बती जब यहां बसे तो उन्होंने बाड़ा बनाकर रहना पसंद किया, यहां इन लोगों ने अपने जीवन यापन के लिए संसाधन जुटाना शुरू किया। मंदिर, अस्पताल के साथ साथ एक स्कूल भी खोला गया, यह स्कूल 1963 में ही खोला गया था।

अपनी मूल भाषा बचाने की पहल

पहले तो भारत के अन्य बच्चों की तरह तिब्बती भी हिन्दी और अंग्रेजी में पढ़ाई करते थे। लेकिन तिब्बती समाज को ये महसूस हुआ कि उनके बच्चे हिन्दी और अंग्रेजी तो सीख गए लेकिन अपनी मूल भाषा को भूल रहे थे, इसलिए 2016 से इस स्कूल को पूरी तरह तिब्बती भाषा में संचालित कर दिया गया। 2016 से पहले इस स्कूल में मैनपाट के दूसरे समाज के बच्चे भी पढ़ते थे लेकिन जब से तिब्बती भाषा में शिक्षा शुरू हुई तब से बाकी समाज के बच्चे अब यहां एडमिशन नहीं लेते। हालांकि स्कूल के प्राचार्य का कहना है कि प्रतिबंध किसी के लिए नहीं है कोई भी बच्चा यहां पढ़ सकता है, लेकिन तिब्बती भाषा में पढ़ने में दूसरे समाज के बच्चों को परेशानी आ सकती है।

स्कूल के प्रिंसिपल भी यहीं पढ़े हैं

यह स्कूल कक्षा 5वीं तक की ही शिक्षा देता है इसके बाद बच्चे अपने अपने अनुसार भारत के अन्य स्कूलों में जाकर पढ़ते हैं। मैनपाट के इस स्कूल में पढ़कर यादव समाज के भी 2 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय के लिए हुआ है। आज मेहुल यादव कक्षा दसवीं और हर्ष यादव कक्षा 12वीं में नवोदय विद्यालय में पढ़ रहे हैं। खुद स्कूल के प्राचार्य भी इसी स्कूल में पढ़े हैं और ऐसे कई तिब्बती हैं जो आज आधुनिक खेती करके लाखों की आमदनी कर रहे हैं। कोई रेस्टोरेंट चला रहा है तो कोई बड़ा किसान है। सब बेहतर आमदनी करके अपने जीवन को आगे बढ़ा रहे हैं।

कैसे आई तिब्बति लिपि

इस स्कूल के नाम से भी तिब्बती भाषा का इतिहास दिखता है, स्कूल का नाम है सम्भोटा तिब्बतन स्कूल मैनपाट।

दरअसल सम्भोटा का अर्थ है तिब्बती लिपि के निर्माता थोन्मी सम्भोट और उनके द्वारा निर्मित लिपि। थोन्मि सम्भोट ने सातवीं सदी में तिब्बती राजा स्त्रोंचन गम्पो के शासनकाल में नालंदा के भारतीय विद्वानों से शिक्षा प्राप्त कर सम्भोटा लिपि की रचना की। इससे ही फिर बौध्द धर्म के ग्रंथों का लेखन हुआ।

हाई टेक पढ़ाई

स्कूल में भाषा भले ही तिब्बती हो लेकिन पढ़ाई स्मार्ट और हाईटेक तरीके से भी होती है। यहां प्रोजेक्टर है, स्क्रीन है, स्मार्ट क्लास है, यूट्यूब और गूगल मैप जैसी तकनीक से पर्यावरण को समझाया जा रहा है। यहां कल्चर प्रतियोगिता के साथ संगीत और कम्प्यूटर भी सिखाया जाता है। मैनपाट एक बड़ा पर्यटक स्थल है, यहां प्राकृतिक सुन्दरता के साथ साथ तिब्बती कैम्प, बौद्ध मंदिर, तिब्बती कल्चर के घर, दुकान इस जगह को और भी अलग बनाते हैं। सरगुजा जैसे आदिवासी अंचल में इस समाज की उपस्थिति से यहां का माहौल हिमालय के शहरों की तरह बन जाता है। फिलहाल मैनपाट में तिब्बती आबादी करीब तीन हजार है। ये अपनी संस्कृति और भारत से अपने जुड़ाव को दिखाते हुए यहां शान्ति से जीवन बिता रहे हैं।

आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं नवानगर की लखपति दीदी श्यामा सिंह

छ.ग.फ्रंटलाइन,अम्बिकापुर। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली ग्राम पंचायत नवानगर की श्यामा सिंह आज अपने क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन आज ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। बिहान योजना के माध्यम से लखपति दीदी श्यामा सिंह ने अपने जीवन में आर्थिक सशक्तिकरण की नई राह बनाई है। श्यामा सिंह विकास स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं, जो महामाया आजीविका संगठन और रोशनी आजीविका संघ, दरिमा क्लस्टर के अंतर्गत कार्यरत है। वे बताती हैं कि पहले उनके पास कोई काम नहीं था, न ही स्थायी आमदनी का कोई साधन। बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें आत्मविश्वास मिला और आर्थिक सशक्तिकरण की राह भी खुली। योजना के तहत उन्हें समूह बैठकों और प्रशिक्षण शिविरों में विभिन्न आजीविका गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसी दौरान उन्हें सेंट्रिंग प्लेट के व्यवसाय के बारे में बताया गया, श्यामा ने अपने समूह से 95 हजार रुपए का लोन लेकर 30 सेंट्रिंग प्लेट व्यवसाय की शुरुआत की। शुरुआत में काम छोटा था, पर मेहनत और लगन से आज उन्होंने इस कार्य को एक सफल व्यवसाय में बदल दिया है। आज उनके पास पांच रूम का पूरा सेटअप 152 सेंट्रिंग प्लेट है। लखपति दीदी श्यामा सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृत आवासों में सेंट्रिंग प्लेट किराए पर जा रहे हैं। जिससे हर महीने लगभग 50 हजार रुपए तक की आमदनी हो रही है। आज मैं अपने परिवार का सहारा बन चुकी हूँ। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2024-25 में आवास की भी स्वीकृति मिली,जो कि निर्माणाधीन है, जिससे उनकी खुशी दोगुनी हो गई है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

सम्पादकीय

आम आदमी को महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत

जीएसटी और ब्याज दरों में कटौती होने के बाद ऐसी आशंकाएं जताई जा रही थी कि महंगाई के मोर्च पर झटका लग सकता है, लेकिन हुआ इसके बिलकुल उलट। खुदरा महंगाई दर आठ साल के निचले स्तर पर आ गई है। सितंबर में रिटेल महंगाई 1.54% पर रही है। इससे पहले जून 2017 में भी ये इतनी थी। इसकी वजह खाने-पीने की कुछ वस्तुओं की कीमतों में गिरावट है। वहीं, अगस्त में रिटेल महंगाई 2.07% रही थी। रिटेल महंगाई के आधिकारिक आंकड़े सरकार ने सोमवार को जारी किए हैं। रिजर्व बैंक का लक्ष्य महंगाई को 4% से दो ऊपर-नीचे की सीमा में रखने का है। सितंबर में खाने-पीने के सामानों की कीमत घटी यही कारण रहा कि महंगाई निचले स्तर पर पहुंच गई। महंगाई में लगभग 50% योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई माइनस 0.64 से घटकर माइनस 2.28% हो गई है। सितंबर में ग्रामीण महंगाई दर 1.69 से घटकर 1.07 प्रतिशत हो गई। वहीं शहरी महंगाई 2.47 से घटकर 2.04 फीसदी पर आ गई। असल में महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं, अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। लगातार घटती महंगाई आम लोगों के लिए राहत की बात है, जिसके मुख्य कारण अनुकूल आधार प्रभाव, सब्जियों, दालों, और अनाज जैसी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट हैं। इस स्थिति से आम नागरिक के जीवन स्तर में सुधार और उपभोक्ता मांग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, हालांकि भविष्य में महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए निरंतर निगरानी की आवश्यकता होगी। महंगाई कम होने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और वे खरीदारी के लिए प्रोत्साहित होंगे, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। लोग जितना खरीदारी करेंगे अर्थव्यवस्था को उतना लाभ होगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। महंगाई कम होने से देश के लोगों के लिए अपने सपने पूरे करना आसान होगा, घरों से लेकर सपनों की चीजें खरीदने पर कम खर्च होगा और घूमना-फिरना सस्ता होगा। अगर नागरिकों के पास पैसा होगा वो ज्यादा खर्च कर सकेंगे। सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि लोगों की जेब में खरीदारी के लिए धन छोड़ा जाए। जीएसटी और ब्याज दरों में कटौती के पीछे सबसे पहली सोच यही है और इसके सार्थक परिणाम भी आने लगे हैं। खुदरा महंगाई में नरमी को देखते हुए, रिजर्व बैंक अगली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दर में और कटौती कर सकता है। हालांकि यह महंगाई की आगे की दिशा पर निर्भर करेगा। क्योंकि अधिक बरसात होने के कारण अनेक उत्तरी राज्यों में फसलों को ज्यादा नुकसान हुआ है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि महंगाई के आंकड़े केवल आंकड़ों तक सीमित न रहें, बल्कि लोगों को बाजारों में वास्तविक राहत मिले। ऐसा न हो कि आंकड़ों में तो लगातार महंगाई कम होती रही और आम आदमी को इसका असली लाभ ही न मिल पाए।

तकनीक

प्रमोद भार्गव

पहली एआई मंत्री डिएला की नियुक्ति

एआई मंत्री डिएला को अल्बानिया की नेशनल एजेंसी फॉर इंफॉर्मेशन सोसायटी ने माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया है। डिएला को मंत्री पद की जिम्मेदारी संवैधानिक लोकतांत्रिक प्रणाली से चौथी बार प्रधानमंत्री बने एडी रामा ने सौंपी है। इसी साल मई 2025 में चुनाव जीतने के बाद 11 सितंबर को उन्होंने अपनी नई सरकार का गठन किया है। डिएला ने संपूर्ण स्त्री भाव से संसद में राजनीतिक चतुराई से भरा उल्लेखनीय वक्तव्य भी दिया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष मेरी नियुक्ति को बार-बार असंवैधानिक बता रहा है। विपक्ष के इस व्यवहार से मेरी भावना आहत हुई है।'

विडंबना देखिए, मनुष्य द्वारा निर्मित वाहनों ने मनुष्य के पैरों से चलने की ताकत छीन ली। मशीनी तकनीक मनुष्य के हाथों के हुनर छीनती जा रही है और अब हैरान करने वाली वास्तविकता यहां तक पहुंच गई है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अर्थात कृत्रिम बुद्धि से निर्मित डिएला नामक रोबोट स्त्री को मानव के विरुद्ध एक प्रति मानव के रूप में अस्तित्व में लाया गया रोबोट का यह दखल राजनीति से नेता के विस्थापन के रूप में देखने में आया है। सत्ता पक्ष डिएला की नियुक्ति से भ्रष्टाचार मुक्त शासन की कल्पना कर रहा है, जबकि विपक्ष इस रोबोट-स्त्री की तैनाती को असंवैधानिक करार दे रहा है।

एआई मंत्री डिएला को अल्बानिया की नेशनल एजेंसी फॉर इंफॉर्मेशन सोसायटी ने माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया है। डिएला को मंत्री पद की जिम्मेदारी संवैधानिक लोकतांत्रिक प्रणाली से चौथी बार प्रधानमंत्री बने एडी रामा ने सौंपी है। इसी साल मई 2025 में चुनाव जीतने के बाद 11 सितंबर को उन्होंने अपनी नई सरकार का गठन किया। डिएला ने संपूर्ण स्त्री भाव से संसद में राजनीतिक चतुराई से भरा उल्लेखनीय वक्तव्य भी दिया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष मेरी नियुक्ति को बार-बार असंवैधानिक बता रहा है। विपक्ष के इस व्यवहार से मेरी भावना आहत हुई हैं। मैं शासन-प्रशासन को पारदर्शी बनाने और जनता की मदद के लिए हूं। विपक्ष आशंकित न हो, मेरा लक्ष्य जैविक मनुष्य को प्रतिस्थापित (रिप्लेस) करने का नहीं है। मैं किसी की जगह लेने के लिए नहीं आई हूं।' डिएला ने जो कहा वह अजैविक मानव के लिए ठीक हो सकता है, लेकिन सच्चाई तो यही है कि मनुष्य के विरुद्ध एक प्रति मनुष्य के रूप में अपनी जगह बनाता रोबोट जैविक मनुष्य को सीमेंट, कंक्रीट और यंत्रों के जंगल में धकेलता जा रहा है। प्रति मानव रोबोट में बुद्धि डालकर उसे हम मनुष्य का शासक बनाने में लगे हैं। अभी तक रोबोट को नए-नए रूपों में विकसित करने का काम वैज्ञानिक रूपी मनुष्य करता था, लेकिन प्रौद्योगिकी के आकाश में कृत्रिम बुद्धि ने ऐसे पंख दे दिए कि रोबोट अब एआई की मदद से स्वयं अद्यतन (अपडेट) होने लगे हैं और जो जीवित रोबोट अस्तित्व में आए हैं, वे स्वयं रोबोट पैदा करने लगे हैं। रोबोट के स्वमेव परिवर्तन और नए रोबोट पैदा करने की इस ताकत के परिणाम फलदायी होंगे या घातक यह अभी भविष्य के गर्भ में जरूर है, किंतु चिंतनीय बिंदू अवश्य है।

अमेरिकी वैज्ञानिकों ने जीवित रोबोट 'जेनोबोट्स' अवतरित कर दिया है। इसके आविश्कारक वैज्ञानिकों का दावा है कि यह रोबोट अपने जैसे रोबोट संतान के रूप में पैदा कर सकता है। यह करिश्मा वर्मोंट, हावर्ड और टफ्ट्स विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने कर दिखाया है। यह रोबोट अफ्रीका में पाए जाने वाले जेनोपस लेविस प्रजाति के मेढ़क के भ्रूण की स्तंभ कोशिकाओं से बनाया गया है। वैज्ञानिकों ने मेंढ़क के भ्रूण की (एंब्रियो) की जीवित कोशिकाओं को अन्य नए जीवन रूपों के तौर पर प्रयोग करने में सफलता पाई है। इसे जीवित क्रिया-कलाप करने लायक जीव के तौर पर देखा जा रहा है। एक मिमि से भी कम चौड़े इन रोबोट्स को पहली बार 2020 में दुनिया के सामने सार्वजनिक किया गया था। ये जीते-जागते रोबोट्स हैं। भ्रूण से विकसित इन रोबोट के दिल को मोटर की तरह उपयोग में लाया जाता है।

मसलन ये जेनोबोट्स मुंह के अंदर एकल कोशिकाओं को एकत्रित करते हैं और रोबोट के रूप में बच्चों को अवतरित (पैदा) करते जाते हैं। जो हूबहू माता-पिता के प्रतिकृति होते हैं। कोई गड़बड़ी होने पर खुद को ठीक भी कर सकते हैं।

वैज्ञानिकों का दावा है कि जेनोबोट्स में जानवर या पौधों से अलग जैविक प्रजनन का एकदम नया मौलिक रूप खोजा है। ये रूप विज्ञान के लिए ज्ञात किसी भी रूप नख से शिख तक भिन्न हैं। लोग अभी तक यह जानते हैं कि रोबोट धातु, चीनी मिट्टी या प्लास्टिक से बने होते हैं। जबकि जेनेबोट्स मेंढ़क के जीवित भ्रूण की स्तंभ कोशिकाओं को कतरन (स्क्रैप) करके सेने (इनक्यूबेट) के लिए छोड़ दिया। इन्हें साइबॉर्ग रोबोट की श्रेणी में रखा जा सकता है। इस सिलसिले में सूक्ष्म शल्य क्रिया विषेशज्ञ का कहना है कि 'स्तंभ कोशिकाओं की कतरन को चिमटी और लघु इलेक्ट्रोड से सूक्ष्मदरर्शी यंत्र के माध्यम से एक आकार में ढाला गया, फिर इन्हें शरीर का रूप दिया गया। तत्पश्चात ये कोशिकाएं पुनः सक्रिय हो गईं। इस तरह तैयार जेनोबोट्स को जब टुकड़ों में विभाजित किया गया तो वह स्वयं को जोड़कर क्रियाशील हो गया।' इसी कारण ये रोबोट के साथ जीव भी हैं। ये रोबोट समुद्र, नदी और तालाब की गहराइयों से माइक्रोप्लास्टिक कचरा खींच लाने में सक्षम हैं। लिहाजा इस जीवित मशीन को स्वच्छता के अभियान में भी लगाया जा सकता है। मानव की धमनियों की बाधा को दूर करने में भी इनका इस्तेमाल हो सकता है। ऐसी ही रोबोट तकनीक का कमाल है डिएला।

28 लाख की आबादी वाले देश अल्बानिया की अल्बानियाई भाषा में 'डिएला' का अर्थ 'सूरज' होता है। डिएला को अल्बानिया की पारंपरिक वेशभूषा में सौम्य, सुंदर और सुशील स्त्री को रोबोट के रूप में विकसित किया है। डिएला की वाणी और मुखाकृति अल्बानियाई अभिनेत्री अनिला बिशा का मॉडल है। प्रधानमंत्री ने इन्हें सार्वजनिक खरीद मंत्रालय का मंत्री बनाने की घोषणा विधिपूर्वक राजधानी तिराना की संसद में की थी। अल्बानिया यूरोपीय संघ में शामिल होने की प्रक्रिया में है। इस प्रक्रिया को पूरी होने में भ्रष्टाचार बड़ी बाधा बन रहा है। इसीलिए डिएला को सरकारी खरीद निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और कदाचरण खत्म करने की दृष्टी से नियुक्त किया है। यानी डिएला का मनोनयन रामा सरकार की रणनीति की एक कूटनीतिक चाल है। पीएम रामा इसी लक्ष्यपूर्ति के बहाने राष्ट्र को भ्रष्टाचार मुक्त बनाए जाने के प्रति, प्रतिबद्धता जता रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में सरकार में शामिल अन्य मंत्रियों, सरकारी अधिकारियों ने कहना शुरू कर दिया है कि सार्वजनिक व्यय में भ्रष्टाचार से लड़ने में मदद मिलेगी। इसके विपरीत विपक्षी सांसद दावा कर रहे हैं कि यह तथाकथित एआई से संचालित स्त्री रोबोट भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का काम करेगा। क्योंकि हम जानते हैं कि अंततः रोबोट एक मशीन है, जिसके डाटा व सर्किट में परिवर्तन किए जा सकते हैं।

अल्बानिया के संविधान में जनता द्वारा निर्वाचित सांसद को ही मंत्री बनने का अधिकार है न कि किसी स्त्री रोबोट के आभासी अवतार को ? यह तरीका इंसान को जीवंत राजनीति से विस्थापन का कुटिल तकनीकी उपाय भर है, जो किसी भी देश और मानव जाति के लिए घातक है। कोई प्रतीक मनुष्य का स्थान नहीं ले सकता है। डिएला की तैनाती में जो सबसे प्रमुख कमी है, वह है कि इसकी गलतियों के लिए जिम्मेदार किसे ठहराया जाए? अतएव एआई कुशल और समावेशी शासन व्यवस्था के लिए एक शक्तिशाली मशीनी यंत्र अवश्य है, तथापि इसके उत्तरदायित्व और लोक विश्वास सुनिश्चित होने जरूरी हैं, जिससे इसके नैतिक और लोकतांत्रिक मानदंड निर्धारित हों।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विदेश

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

धौंस-धमकाने की नीति ट्रंप के लिए होगी आत्मघाती

धमकाने और धौंस की नीति पर चल रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी झूठी चौधराहट और खनिजों के चक्कर में लगता है दुनिया के देशों में अमेरिकी विरोधियों की बड़ी फौज ही तैयार करते जा रहे हैं। शांति के नोबल पुरस्कार का ट्रंप का सपना धरा का धरा ही रह गया है और अब 30% टैरिफ के अतिरिक्त 100% और यानी कि 130 प्रतिशत टैरिफ लगाकर चीन के खिलाफ भी आर्थिक क्षेत्र में खुली जंग छेड़ दी। कनाडा को अमेरिका का नया राज्य बनाने और रूस-यूक्रेन युद्ध के पीछे के अमेरिकी एजेंडे को आज दुनिया के देश समझ ही चुके हैं। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष के साथ डिनर के माध्यम से अमेरिका के गिरते स्तर को दुनिया के देश देख ही चुके हैं। भारत जैसे देश से पंगा लेना सबके सामने हैं। पाकिस्तान पर भी खनिजों के चक्कर में डोरे ड़ाले जा रहे हैं। देखा जाए तो ट्रंप का रवैया जिस तरह का दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद देखने को मिल रहा है वह गली मौहल्ले के गुंडे मवाली जैसा है। दुनिया के देशों को धमकाना जैसे ट्रंप का काम ही हो गया हो। दुनिया के देशों में युद्ध समाप्त कराने का झूठा तमगा पहनने के प्रयास और शांति के नोबल पुरस्कार के लिए नोबल संस्था तक को धमकाने के कुत्सित प्रयास से ट्रंप स्वयं और अमेरिका दोनों की ही हेठी कराने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। हालांकि भारत किसी भी तरह के ट्रंप के दबाव में नहीं आया और सबसे बड़ी तोहीन तो यह रही कि भारत ने इस पर प्रतिक्रिया तक व्यक्त करने की जहमत नहीं उठाई, जिसके कारण अमेरिका का तमतमाना लाजिमी है। अमेरिका ने भारत पर 100% टैरिफ लगाने के बाद सोचा था कि भारत घुटनों के बल आ जाएगा पर हुआ इसका उल्टा ही और भारत ने नए बाजार की संभावनाएं तलाशना आंरभ कर दिया। आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि अब चीन पर अमेरिकी टैरिफ वार का भारत पर सकारात्मक प्रभाव होगा। भारत की निर्यात की संभावनाओं को पर लगने के अधिक आसार हो जाएंगे। स्वाभाविक है चीन के उत्पाद महंगे हो जाएंगे और भारतीय उत्पाद कपड़ा, हैण्डिक्राफ्ट, खिलौने आदि आदि तुलनात्मक रूप से सस्ते होंगे तो भारतीय उत्पादों की मांग कम होने के स्थान पर बढ़ेगी ही। वहीं अमेरिकी टैरिफ वार अमेरिका पर ही उल्टा पड़ना है। आज अमेरिका भारतीय प्रतिभाओं का लाभ उठा रहा है पर नए वीजा नियमों और विदेशियों को पलायन करने के बाध्यकारी आदेशों से अमेरिका आने वाले समय में शून्यता की और बढ़ेगा। इधर, ट्रप के व्यवहार के चलते श्वेत-अश्वेत की खाई और चौड़ी होती जा रही है। 20वीं सदी के अंत में दुनिया के देशों में विश्वग्राम का सपना देखा था, इस दिशा में दुनिया के देश आगे भी बढ़े थे और फिर संचार क्रान्ति ने तो दुनिया के देशों को लगभग विश्वग्राम बना ही दिया पर जिस तरह के हालात ट्रंप जैसे अति महत्वाकांक्षी द्वारा उठाए जा रहे हैं, उससे विश्वग्राम का सपना बीच राह में ही टूटता नजर आने लगा है। एक दूसरे के सहयोग और समन्वय की बात तो ट्रंप ने भुला ही दी है। फिर सबको एक ही लकड़ी से हांकने की नीति भी आत्मघाती बनती जा रही है। अमेरिका को समझना होगा कि आज आप किसी पर टैरिफ का दबाव बढ़ाते हो तो अन्य देशों के लिए राह आसान कर रहे हो। हो यह राह है कि टैरिफ की मार का सबसे नकारात्मक प्रभाव अमेरिका पर ही पड़ना है। आज दूसरे देशों के प्रति निर्भरता बढ़ी है और ऐसे में आगे बढ़ने के लिए दो मोर्चों पर जुटना पड़ता है। पहले तो यह कि दूसरे देशों में आ रहे बदलावों, तकनीक को समझना और फिर उस तकनीक को अपनी जरूरत के अनुसार अपने देश में विकसित करना। अमेरिका दरअसल, दूसरों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना चाहता है पर वह यह भूल रहा है कि इकोनोमी एक दूसरे की सहायता से आगे बढ़ती है। देसी-विदेशी मांग को बढ़ाना ही होता है। स्थानीय के साथ ही विदेशों में भी बाजार खोजना होता है। ऐसे में बड़े-बड़े व्यापार समझौते देशों के बीच होते हैं। अमेरिका ने जिस तरह से व्यापार समझौतों को दरकिनार कर टैरिफ वार और तरह तरह के अवरोध खड़े करने के प्रयास किए हैं उनका असर अंततोगत्वा अमेरिकी इकोनोमी पर भी पड़ना ही है। लगता है ट्रंप अमेरिका को आत्मघाती गोल की तरफ ले जा रहा है। दुनिया के देशों को वैश्विक ग्राम की परिकल्पना को ही आगे बढ़ाना होगा। आज दुनिया और दुनिया के देश कहां खड़े हैं यह कोरोना काल में सबको पता चल चुका है। ऐसे में समय रहते नीतियों मे बदलाव जरूरी हो जाता है। जिस तरह से तकनीक ने एक दूसरे को नजदीक लाने का प्रयास किया है उसे आगे बढ़ाना वैश्विक नेताओं का दायित्व हो जाता है। आज एकला चालो रे की नीति से आगे बढ़ने और कुछ पाने की कल्पना करना बेमानी होगा, यह देर सबेर समझना ही होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रेम क्या है?

प्रेम कोई क्रिया नहीं है। 'मैं' भी प्रेम है और 'तुम' भी प्रेम हो। प्रेम वह तत्त्व है जिससे हम सब बने हैं। यह एक अवस्था है, कोई कार्य नहीं। जब हम वर्तमान में होते हैं, तब हमारा मन स्वच्छ होता है-न क्रोध, न चिंता, बस प्रेम होता है। छोटे बच्चों को देखो-उनके चेहरे पर कितना निर्मल प्रेम होता है। बच्चे आकर्षक क्यों होते हैं? क्योंकि वे अपने भीतर के प्रेम को बिना किसी अवरोध के बाहर लाने देते हैं। यही कारण है कि यीशु ने कहा था - "जब तक तुम बच्चों जैसे नहीं बनते, तब तक स्वर्ग के द्वार तुम्हारे लिए नहीं खुलते।" बच्चे एक पल रोते हैं, और अगले ही पल हँस पड़ते हैं - यह है वर्तमान में जीने की कला। हम सबमें यह क्षमता है लेकिन जैसे-जैसे हम 'बुद्धिमान' होते जाते हैं, हम अपनी मासूमियत खो देते हैं। आत्मज्ञान का अर्थ है-मासूमियत को बनाए रखते हुए ज्ञान में बढ़ना। एक अज्ञानी व्यक्ति मासूम हो सकता है, लेकिन उसकी मासूमियत का कोई मूल्य नहीं होता। एक चतुर व्यक्ति चालाक हो सकता है, पर उसकी बुद्धिमत्ता में करुणा न हो तो वह भी व्यर्थ है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था है-जब व्यक्ति बुद्धिमान हो, लेकिन फिर भी भीतर से मासूम बना रहे। यह जीवन में बहुमूल्य है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था यह है कि हम बुद्धिमान बनें, पर भीतर से बच्चे जैसे सरल और निष्कलुष बने रहें। आज की भागदौड़ भरी जीवन में हम सब सफल, समझदार, प्रभावशाली बनना चाहते हैं लेकिन इस दौड़ में कहीं हमारी सरलता, सहजता और वह निर्मल मुस्कान पीछे छूट गई है।

संकलित

दर्शन

सुख-दुख आते-जाते रहेंगे

महाभारत युद्ध खत्म हो गया था। कौरव सेना खत्म हो गई थी और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। जब पांडवों के जीवन में सब ठीक हो गया, तब श्रीकृष्ण ने सोचा कि अब मुझे द्वारिका जाना चाहिए। श्रीकृष्ण ने अपनी इच्छा पांडवों को बताई, सभी भगवान को रोकना चाहते थे, लेकिन वे नहीं रुके। श्रीकृष्ण रथ पर बैठ आगे बढ़े तो सामने कुंती खड़ी थीं। रिश्ते में कुंती श्रीकृष्ण की बुआ थीं। अपनी बुआ को देखकर श्रीकृष्ण रथ से उतरे तो कुंती ने उन्हें प्रणाम किया। ये देखकर श्रीकृष्ण बोले कि आप मेरी बुआ हैं, मेरी माता की तरह हैं। मैं आपको प्रणाम करता हूं, लेकिन आज आप मुझे क्यों प्रणाम कर रही हैं? कुंती ने कहा कि कृष्ण, तुम मेरे भतीजे हो, लेकिन मैं ये भी जानती हूं कि तुम भगवान भी हो। मुझे अपना भक्त बनने दो। श्रीकृष्ण ने कहा कि ठीक है। सभी लोग भगवान से कुछ न कुछ मांगते ही हैं, आप भी कुछ मुझसे जो चाहें, वह वरदान मांग सकती हैं। कुंती ने कहा कि मुझे वरदान में दुख दे दो। वरदान में दुख की बात सुनकर श्रीकृष्ण बोले कि आप दुख क्यों चाहती हैं? आपका तो पूरा जीवन ही दुखों में बीता है। कुंती ने कहा कि दुख में तुम बहुत याद आते हो, जीवन में दुख रहेगा तो मैं तुम्हारी भक्ति करती रहूंगी। सुख के दिनों में तो मन भक्ति में लगता नहीं है। मैं हर पल तुम्हारा ही ध्यान करना चाहती हूं, इसलिए दुख मांग रही हूं। श्रीकृष्ण बोले कि ठीक है, जैसी आपकी इच्छा।

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

मिलावटी चीजों से सावधान रहें

आज बहुत से ऐसे लोग भी हैं जो अपने थोड़े से फायदे के लिए खाने-पीने की चीजों में मिलावट करके दूसरों की जान को भी जोखिम में डाल देते हैं। लेकिन चंद सिक्कों की खातिर दूसरों की जान जोखिम में डालना मानवता के खिलाफ है। खाने-पीने की मिलावटी चीजें तो जहर समान होती है। स्वस्थ भारत के लिए खानपान की चीजों में मिलावट रोकना भी बहुत जरूरी है। खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं रुक रही, क्योंकि एक तो आमजन सरकार द्वारा बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण के कानून के प्रति जागरूक नहीं है, दूसरा सरकार और प्रशासन मिलावट रोकने के लिए गंभीरता नहीं दिखाते। तीसरा कारण सरकारी तंत्र में फैला भ्रष्टाचार है। इसके कारण खाद्य पदार्थों की जांच समय-समय पर नहीं होती। *- रमेश शर्मा, कांकेर*

ट्रेंड

टमाटर की खेती

मैं टमाटर के खेत पर खड़ा हूं। हमने बड़ी मेहनत से टमाटर की खेती करने का प्रयास किया है। फसल बहुत अच्छी है, उसे देखकर प्रसन्नता हो रही है। इल्लियों का थोड़ा प्रकोप जरूर हुआ था, लेकिन उसे भी कंट्रोल करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।
-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

पेड़ काटने पर दुःख

यह वाकई दिल दहला देने वाला दृश्य है। एक महिला वृक्ष को काटे जाने के बाद उसे नमन कर रही है। ये पेड़ 20 साल से भी ज्यादा बड़ा था और बाद में उसे काट दिया गया। मुझे बताया गया है कि यह छत्तीसगढ़ राज्य में हुआ था।
- किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

प्रतिबद्धता का संकलप

डॉ. राम मनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। नाइंसाफी और गैर-बराबरी के खिलाफ लोहिया की 'सप्त क्रांति' के सिद्धान्त को जमीन पर उतारने के लिए हम आज प्रतिबद्धता का संकल्प लेते हैं।
- अखिलेश यादव, सपा नेता

परिवार के तीन

एक परिवार.. एक ही परिवार के तीन सदस्य.. तीनों का एक ही व्यवसाय और एक ही दिन में तीन पुरस्कार। जया को सम्मानित करते हुए फिल्मफेयर के 70 साल। अभिषेक के लिए 2025 का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और 70 साल के जश्न के लिए वास्तव में आपका धन्यवाद।
- अमिताभ बच्चन, अभिनेता

करंट अफेयर

पाक-अफगान आपसी मुद्दों को संवाद से सुलझाएं

चीन ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर हुई झड़पों में दर्जनों सैनिकों की मौत के बाद सोमवार को दोनों देशों से संयम बरतने और आपसी मुद्दों को संवाद व परामर्श के जरिए सुलझाने की अपील की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सप्ताहांत में दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष पर टिप्पणी करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हाल में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष के कारण दोनों के रिश्ते तनावपूर्ण होने पर चीन गहरी चिंता व्यक्त करता है। उन्होंने कहा, "चीन गंभीरता से उम्मीद करता है कि दोनों पक्ष व्यापक दृष्टिकोण अपनाएं, शांति और संयम बरतें, आपसी मुद्दों को संवाद व परामर्श के जरिए सुलझाएं, संघर्ष को बढ़ने से रोकें और क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखें।" पाकिस्तान सेना ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर रातभर चली झड़पों में उसके कम से कम 23 सैनिक शहीद हो गए जबकि तालिबान से जुड़े 200 से अधिक आतंकवादी मारे गए। दूसरी ओर तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा कि 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और करीब 30 घायल हुए। चीन के पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों से घनिष्ठ संबंध हैं।

ऑफ बीट

आपका शरीर हो सकता है चलता-फिरता जिम

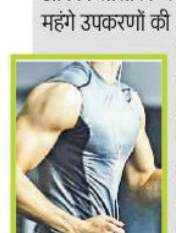

आपको शारीरिक रूप से मजबूत बनने के लिए जिम की सदस्यता, डम्बल या महंगे उपकरणों की आवश्यकता नहीं है। शुरुआत से ही, हमारे पास शारीरिक मजबूती के प्रशिक्षण के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध रहा है - हमारा अपना शरीर। बाहरी बलों और उपकरणों के इस्तेमाल के बिना शारीरिक मजबूती के प्रशिक्षण को 'बॉडीवेट प्रशिक्षण' कहा जाता है। पुश-अप्स और स्क्वैट्स से लेकर प्लैंक्स और चिन-अप्स तक, बॉडीवेट प्रशिक्षण व्यायाम करने के सबसे लोकप्रिय तरीकों में से एक बन गया है, क्योंकि इसे कहीं भी किया जा सकता है और यह मुफ्त भी है। तो, यह क्या है, यह क्यों काम करता है, और आप इसे कैसे शुरू कर सकते हैं? बॉडीवेट प्रशिक्षण क्या है? बॉडीवेट प्रशिक्षण का सीधा सा मतलब है कि आप बारबेल और डम्बल जैसे बाहरी वजन के बजाय अपने शरीर के वजन को प्रतिरोध के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसमें व्यायाम के आम तरीकों में पुश-अप्स, स्क्वैट्स, लंजेस और सिट-अप्स शामिल हैं। लेकिन बॉडीवेट प्रशिक्षण में स्थिर पकड़ का भी उपयोग किया जा सकता है जो आपके शरीर को बिना हिलाए चुनौती देता है, जैसे कि प्लैंक या योग आसन। बॉडीवेट प्रशिक्षण का इस्तेमाल किसी भी मांसपेशी समूह के लिए किया जा सकता है।

कपड़ा फैक्ट्री में आग 9 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मंगलवार को कपड़े के कारखाने और रसायन के एक गोदाम में आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। मिरपुर इलाके में कारखाना और गोदाम की दो इमारतों में लगी भीषण आग में आठ लोग घायल हो गए। कारखाने की पहली और दूसरी मंजिल से नौ शव बरामद किए गए हैं। अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा के निदेशक (ऑपरेशन और मेंटेनेंस) लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि हमें संदेह है कि सभी की मौत जहरीली गैस के कारण हुई। आग को काबू में कर लिया गया है और दमकलकर्मी कारखाने में खोजबीन जारी रखे हुए हैं।

मंगोलिया के राष्ट्रपति से रक्षा मंत्री की मुलाकात

नए क्षेत्रों में सहयोग और साझा हितों पर किया विचार-विमर्श

▶▶नई दिल्ली

भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के तहत नई दिल्ली पहुंचे मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। जिसमें दोनों के बीच बातचीत में सहयोग के नए क्षेत्रों में विविधता लाने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही साझा हितों के मौजूद कार्यक्रमों को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया। रक्षा मंत्री ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि मंगोलिया के राष्ट्रपति से वार्ता में हमने दोनों देशों की साझेदारी को और अधिक मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। राजनाथ सिंह और राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना ने भारत और मंगोलिया के लोकतंत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों के समूचे क्षेत्र में शांति और समृद्धि की स्थापना के लिए साझा हित हैं। साथ ही यह उम्मीद भी जताई कि दोनों देश अपने सहयोग को और अधिक विविधता प्रदान करते हुए इसमें नए क्षेत्रों को शामिल करेंगे।

सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

कुपवाड़ा में 2 आतंकी ढेर, 4 रॉकेट लॉन्चर सहित कई हथियार बरामद

एजेंसी▶▶नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया है। अभी ऑपरेशन जारी है।

इलाके में अब भी अन्य आतंकियों के होने संभावना है। दरअसल, घसपैठ कर रहे आतंकियों को देखते ही सुरक्षाबल सक्रिय हो गए और अभियान शुरू कर दिया। फिलहाल भारतीय सेना ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और सर्च ऑपरेशन भी जारी है। सुरक्षाबलों ने 2 एके सीरीज राइफलें, 4 रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद सहित अन्य हथियार बरामद किया है। श्रीनगर स्थित भारतीय सेना की चिनार कोर को आतंकियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस और सेना का यह संयुक्त अभियान शुरू कर दिया।

13 अक्टूबर की शाम 7 बजे से भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास कुंबकडी के जंगल में यह ऑपरेशन जारी है। आतंकियों ने यहां से घुसपैठ की कोशिश की थी, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम किया है।

24 प्लेटफार्म... 4 टर्मिनल और प्रतिदिन 3 लाख यात्रियों की क्षमता

◆ इस पर 2245 करोड़ की लागत आ रही

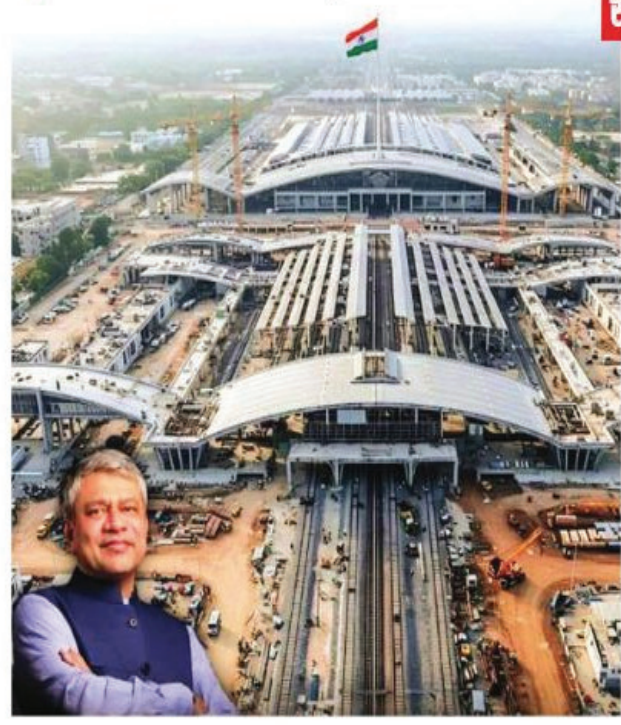

अमरावती में 'भारत का सबसे बड़ा' रेलवे स्टेशन

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के अमरावती के पास देश का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन बना रहा है। इस परियोजना में 1,500 एकड़ में फैला एक हवाई अड्डा-शैली का स्टेशन शामिल है, जिसमें 24 प्लेटफार्म, 4 टर्मिनल और प्रतिदिन 3 लाख यात्रियों की क्षमता होगी। इस पर 2,245 करोड़ की लागत आ रही है। इसके प्रमुख घटकों में 57 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड-गेज लाइन, कृष्णा नदी पर 3.2 किलोमीटर लंबा पुल और हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों से सीधा क्षेत्रीय संपर्क शामिल है। परियोजना को 2-3 वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे क्षेत्रीय विकास, संपर्क और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

ओपनएआई अब बनाएगी खुद की चिप

नई दिल्ली। ओपनएआई अब तक चैटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) लैंग्वेज मॉडल चैटबॉट और सोरा जैसे वीडियो मेकिंग प्लेटफार्म के लिए जानी जाती थी। इसके लिए कंप्यूटिंग चिप की जरूरत होती है जो ओपनएआई बाहर से लेती थी लेकिन अब ओपनएआई ने ब्रॉडकॉम के साथ मिलकर अपना पहला इन-हाउस एआई प्रोसेसर विकसित करने की घोषणा की है। यह कदम चैटजीपीटी जैसी सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने और एआई कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की लिस्टिंग सेरेमनी

एमडी ने पूरा भाषण 'हिंदी' में दिया, निवेशकों का जीता दिल

एजेंसी▶▶मुंबई

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के 1140 रुपए के शेयरों की 50% से अधिक प्रीमियम पर एंट्री ने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। लंबे समय बाद किसी बड़े आईपीओ की इतनी धाकड़ एंट्री हुई है। हालांकि सिर्फ यही नहीं, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के एमडी हॉन्ग जु जियोन की स्पीच पर भी निवेशक खुश उठे। उन्होंने इसकी लिस्टिंग सेरेमनी में पूरी स्पीच हिंदी में दी है। सिर्फ 'नमस्ते' से ही नहीं काम चलाया। हॉन्ग जू जियोन को जनवरी 2023 में कंपनी का एमडी बनाया गया था और लिस्टिंग सेरेमनी पर जब हिंदी को चुना तो इसने निवेशकों का दिल जीत लिया और तुरंत ही उनके स्पीच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ शामिल होने के लिए आप सभी का धन्यवाद। यह आईपीओ एलजी के लिए सिर्फ एक वित्तीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह एक नए भविष्य की शुरुआत है, जिसे हम भारत के लोगों के साथ मिलकर बढ़ाएंगे।

यूएन सेनाध्यक्ष सम्मेलन में भारत ने दिखाए ऑपरेशन सिंदूर के सबूत

डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने दिया प्रेजेंटेशन

एलओसी पर मारे गए 100 से अधिक पाकिस्तानी 'आतंकी'

एजेंसी▶▶नई दिल्ली

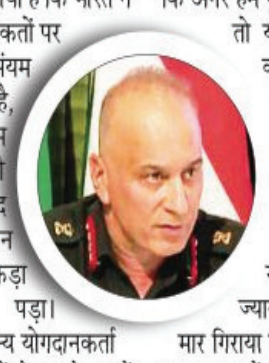

भारतीय सेना ने दुनियाभर से आए सेनाध्यक्षों को बताया है कि भारत ने पाकिस्तान की हरकतों पर लंबे वक्त तक संयम से काम लिया है, लेकिन पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमले के बाद उसको ऑपरेशन सिंदूर जैसा कड़ा फैसला लेना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदानकर्ता देशों के सेनाध्यक्षों के सम्मेलन में सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में वीडियो प्रस्तुति देकर विस्तार से जानकारी दी। डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि अगर हम मुरिदके की बात करें, तो यह लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य आतंकी ठिकाना है। उन्होंने बताया कि ये हमले सात मई की सुबह के शुरुआती घंटों में किए गए थे। इन स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसके अलावा, बहावलपुर में भी ऐसे ही हमले किए गए। उन्होंने वहां की पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरें दिखाईं।

पूरी तरह प्रायोजित था पहलगाम हमला

राजीव घई ने बताया कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ, वह पूरी तरह प्रायोजित था और बेहद क्रूरता से अंजाम दिया गया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकियों ने एलओसी पार से आकर 26 निर्दोष पर्यटकों को मार डाला। आतंकियों ने उन्हें उनकी पहचान कर, धर्म पूछ कर, उनके परिवार और प्रियजनों के सामने गोली मारी। उन्होंने कहा कि इस हमले के बाद कुछ आतंकी संगठनों ने तुरंत इसे 'गर्व' बताकर इसकी जिम्मेदारी ली। कश्मीर रेजिस्टेंस फ्रंट (केआरएफ) ने शुरुआत में हमले की जिम्मेदारी ली, लेकिन जब उसे पता लगा कि मामला उसके काबू से बाहर चला गया है, तो उसने तुरंत अपना बयान वापस ले लिया।

यूएन प्रतिबंधित आतंकी मारा गया

उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित एक आतंकी को मारे गए आतंकियों की जनाजे की नमाज पढ़ाते हुए देखा गया। इतना ही नहीं, पाकिस्तान सेना की चार कोर के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) और कई अन्य बड़े अधिकारी भी इस जनाजे में शामिल हुए थे। डीजीएमओ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या 1980 के दशक के अंत में शुरू हुई थी। तबसे अब तक 28 हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि 1990 के दशक से अब तक अल्पसंख्यक समुदाय के एक लाख से अधिक लोगों को घाटी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिनमें करीब 60 हजार परिवार शामिल हैं। इस पूरे दौर में 15,000 से अधिक निर्दोष नागरिकों और 3,000 से ज्यादा सुरक्षा बलों के जवानों की जान जा चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि 2016 में हमारे जवानों पर बर्बर हमला हुआ, उनके शिविर जलाए गए, जिसके जवाब में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कार्रवाई की गई।

केरल ने सर्पदंश मामलों को अत्यधिक प्राथमिकता दिये जाने का निर्देश जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली, केरल सरकार ने सर्पदंश को जन स्वास्थ्य से जुड़ी अत्यधिक प्राथमिकता वाली स्थिति घोषित किया है। इस कदम का उद्देश्य संबंधित घटनाओं में होने वाली मौतों लेकर जतायी जा रही चिंताओं के मद्देनजर जानकारी का संग्रह करना और दस्तावेजीकरण को बढ़ावा है। शुक्रवार को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, यह महत्वपूर्ण निर्णय केरल लोक स्वास्थ्य अधिनियम, 2023 की धारा 28 के तहत लिया गया। इसमें कहा गया है कि सर्पदंश एक जानलेवा संकट है, जो विषैले सांपों के काटने से उत्पन्न होता है। अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) डॉ राजन खोबरागड़े ने एक अधिसूचना जारी कर सांप के जहर से होने वाली बीमारी को पूरे राज्य के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य की एक महत्वपूर्ण बीमारी घोषित किया। इसमें कहा गया है कि कोई भी बीमारी, चाहे वह संक्रामक हो या गैर-संक्रामक, यदि सरकार को उसके बारे में अधिक जानकारी एकत्र करने की आवश्यकता हो या उसके संबंध में किसी उपचार मानकों का पालन किया जाना हो तो उसे सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व की बीमारी घोषित किया जा सकता है यदि समय पर उचित उपचार उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो विषैले सांप के दंश से व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे घातक या स्थायी विकलांगता शामिल है। यह महत्वपूर्ण सरकारी अधिसूचना केरल उच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए कई निर्देशों के दो सप्ताह बाद आई है, जिसमें स्कूलों में सर्पदंश की समस्या से निपटने के लिए इन मामलों को एक अधिसूचित रोग बनाने और अधिक विषरोधी दवाएं विकसित करने जैसे निर्देश शामिल हैं।

ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल में बाढ़ के लिए भूटान को जिम्मेदार ठहराया, मुआवजे की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि उत्तर बंगाल में हाल ही में आई बाढ़ भूटान से छोड़े गए पानी के कारण आई है। बनर्जी ने बाढ़ के कारण हुई क्षति और जान-माल की हानि के लिए हिमालयी राज्य से मुआवजे की भी मांग की। एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान दिए गए संक्षिप्त संबोधन में बनर्जी के हवाले से कहा भूटान से आने वाले पानी के कारण हमें नुकसान हुआ है... हम चाहते हैं कि वे हमें मुआवजा दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को सभी राहत और पुनर्वास की व्यवस्था करनी है और दावा किया कि केंद्र इसके लिए भुगतान नहीं करता है। मुख्यमंत्री के अनुसार, उनकी सरकार लंबे समय से एक भारत-भूटान नदी आयोग के गठन की मांग कर रही है जिसमें पश्चिम बंगाल को भी सदस्य बनाया जाना चाहिए। बनर्जी ने कहा कि इस मुद्दे पर 16 अक्टूबर को एक बैठक होने की संभावना है और राज्य अपने प्रतिनिधि के रूप में एक अधिकारी भेजेगा।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरिता दुबे पत्नी संतोष कुमार दुबे जाति ब्राहम्ण निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 130/13, रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं नगरवासी/ग्रामवासी बैकुण्ठपुर की आम जनता को सुचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मुकेश सोनी पिता/पति राजनाथ जाति सोनार निवासी बैकुण्ठपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया के द्वारा आयुष निवासी चरचा का जन्म दिनांक 13/11/2006 को होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो स्वयं अथवा अभिभावन के माध्यम से उपस्थित हो कर इस न्यायालय मे दिनांक 21/10/2025 को 11:00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सचनवाई नही होगी।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग.

न्यायालय तहसीलदार तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

आम जनता ग्राम बस्करपारा प०ह०नं०-04 रा०नि०सं० शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०) को सूचित किया जाता है कि आवेदक नमस्ते प्रसाद आ० हंसराज उम्र लगभग 76 वर्ष निवासी ग्राम बसकरपारा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा अपने आवेदन पत्र मे बताया कि ग्राम बसकरपारा में स्थित भूमि पुराना खसरा नंबर 160/3, 1, 21 रकबा 0.60, 0.125, 0.50 हे० जिसका नवीन खसरा नंबर 146, 7 हे० भूमि लगान 0.10 पैसा, जो सिहदेव आयोग रा०प्र०क्र० 624 सन्-1968-69 से प्राप्त हुआ था। त्रुटिव। राजस्व अभिलेखों में इन्द्राज नहीं हो पाया था। उक्त प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर आवेदक के नाम से राजस्व अभिलेख दर्ज किये जाने हेतु आवेदन मय आव यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। अतः जिस किसी हितबद्व पक्षकार को आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप व अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से दिनांक 17/10/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पष्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 09/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
तहसील-भैयाथान
जिला सूरजपुर छ०ग०

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा.प्र.क्र./ब-121/2024-25

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोपाल घोष आ० सुधीर घोष, निवासी ग्राम चठिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम चठिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 401/5 रकबा 0.620 हे0 में से 0.024 हे0 (06 डिसमिल) भूमि बैंक से लिए गये कर्ज चुकाने एवं घर बनाने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका पुष्पा कुशवाहा पति रामदेव कुशवाहा, निवासी वार्ड नंबर 07, गौशाला रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू० 5,00,000/- (पांच लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/11/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 15/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-02

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निकहत प्रवीण आ० सद्दाम हुसैन जाति मुसलमान निवासी भटगांव तहसील भईयाथान जिला सुरजपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम श्रीगढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 124/10, रकबा 0.008 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अनुविभागीय (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

रा०प्र०क्र०ब-121/2024-25

ग्राम-परसागुडी

तहसील राजपुर

-::ईश्तहार:-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम परसागुडी को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरबल पिता स्व० शिवा साडिल्य जाति गोड़ निवासी ग्राम परसागुडी थाना राजपुर तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा अपने पिता स्व० शिवा साडिल्य की मृत्यु ग्राम परसागुडी में दिनांक 04.06.2008 को हुआ है। किन्तु मृत्यु पजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 24/09/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आंपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाक 23/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक डण्डाधिकारी
राजपुर,
जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग अम्बिकापुर द्वारा पोस्ट मैट्रिक 100 सीटर पिछड़ा वर्ग बालक छात्रावास अम्बिकापुर एवं पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास अम्बिकापुर के निर्माण हेतु भूमि आबंटित करने की मांग की गई है। उपरोक्त संबंध में जांच उपरांत गंगापुरखुर्द अ०पुर स्थित भू.ख.क्र. 50/1 में से रकबा 0.60 एकड़, भू.ख.क्र. 294/296 में से रकबा 0.30 एकड़ एवं भू.ख.क्र. 50/298/1 में से रकबा 0.20 एकड़ कुल 1.10 एकड़ भूमि का चयन किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अर्पपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/10/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय समक्ष प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

//उद्घोषणा//

सर्व साधारण ग्राम डकईपारा की आम जनता को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक रामरतन आ. जगरनाथ जाति तेली निवासी ग्राम मानपुर तहसील पटना जिला कोरिया (छ.ग.) के द्वारा स्वामित्व की भूमि ग्राम डकईपारा प.ह.नं. 08 खसरा नं. 237/5 रकबा 0.060 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भू-व्यपवर्तन करना चाहता है, इस बावत आवेदन पत्र, शपत पत्र, खसरा बी-1 नक्शा सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त भू-व्यपवर्तन में किसी को काई आपत्ति हो तो वह स्वंय अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय दिनांक 28/10/2025 को 11:00 बजे आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित समयवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों का कोई सुनवाई नहीं होगी।

प्राधिकारी (व्यपवर्तन) समक्ष
एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)

न्यायालय समक्ष प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

//उद्घोषणा//

सर्व साधारण ग्राम तोलगा की आम जनता को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक पवनराम आ. जगरनाथ निवासी ग्राम तोलगा पिपरदांड तहसील पोडी बचरा जिला कोरिया (छ.ग.) के द्वारा स्वामित्व की भूमि ग्राम तोलगा पिपरदांड तहसील पोडी बचरा खसरा नं. 383 रकबा 0.4300 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त दर्शित भूमि मे से 0.20 हे.(20 डिसमिल) भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भू-व्यपवर्तन करना चाहता है इस बावत आवेदन पत्र, शपत पत्र, खसरा बी-1 नक्शा सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त भू-व्यपवर्तन में किसी को काई आपत्ति हो तो वह स्वंय अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दिनांक 28/10/2025 को 11:00 बजे आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित समयवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों का कोई सुनवाई नहीं होगी।

प्राधिकारी (व्यपवर्तन) समक्ष
एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)

न्यायालय समक्ष प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

//उद्घोषणा//

सर्व साधारण ग्राम जमगहना की आम जनता को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश कुमार साहू आ. लक्ष्मण साहू जाति तेली निवासी ग्राम जमगहना तहसील पटना जिला कोरिया (छ.ग.) के द्वारा स्वामित्व की भूमि ग्राम जमगहना प.ह.नं. 05 खसरा नं. 378/11 रकबा 0.010 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भू-व्यपवर्तन करना चाहता है, इस बावत आवेदन पत्र, शपत पत्र, खसरा बी-1 नक्शा सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त भू-व्यपवर्तन में किसी को काई आपत्ति हो तो वह स्वंय अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय दिनांक 28/10/2025 को 11:00 बजे आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित समयवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों का कोई सुनवाई नहीं होगी।

प्राधिकारी (व्यपवर्तन) समक्ष
एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)

दीपावली का पर्व हम सभी के घर में खुशहाली का उजास लेकर आता है। लेकिन इस पर्व की तैयारी में घर की महिलाएं प्राय: इतना उलझ जाती हैं कि अपनी खुशी, सुख और उत्साह को बिसार देती हैं। ऐसा ना करें, घर-परिवार के साथ खुद भी इस त्योहारी खुशी, उल्लास के हर पल में शामिल हों। यकीन मानिए, इससे आपकी दीपावली और जगमगा उठेगी।

स्त्रियां भी जीएं सुख का उजास

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

उजास की चमक में स्वयं अपने भीतर झांकने का त्योहार है दीपावली। संबंधों में अनुभूतियों की रौनक भरने वाला जश्न है यह पर्व। यह उत्सव प्रेम-स्नेह के भाव को दरकने से बचाने वाली झिलमिलाहट भी साथ लेकर आता है, मन की कहने-सुनने से हर चेहरे पर एक दमक भी उतर आती है। कुल मिलाकर यह उत्सवीय आभा अपने भीतर भी एक जगमगाहट भरने का संदेश देती है। आंगन संवारती, दीवारें पोंछती, व्यंजनों की खुशबू फैलाती और अपनों की सज-धज का ध्यान रखती स्त्रियां, त्योहारी आपा-धापी में खुद को ही भूल जाती हैं। तो सुनो सहेली, दमकती-चमकती आंगन की रंगोली और रसोईघर से आती पकवानों की महक के बीच अपने मन की कांति को सहेजना ना भूलो।

सजी-धजी मुस्कुराहटों की चमक

हर उत्सव पर मां, बहन, बेटी और पत्नी के रूप में स्त्रियां अपने परिवार के आंगन में उजास भरती हैं। यह त्योहारी रौनक घर से लेकर गली तक हर ओर फैली होती है। साफ-सफाई और सजावट से झिलमिलाते घरों की कड़ियों को जोड़ने वाली स्त्रियां ही होती हैं। ऐसे में खुद की अनदेखी ना चाहते हुए भी हो जाती है। 'यह कर लूं', 'वह निपटा लूं' और 'घर के कोने-कोने को सजा लूं' के फेर में अपनी सज-धज तो रह ही जाती है। कभी-कभी तो इस भाग-दौड़ में मन नीरसता के धुंधलेपन से घिर जाता है। लेकिन सामानों की धूल झाड़ने में स्वयं की आभा फीकी ना होने दें।

अब जबकि दीपावली आने में कुछ ही दिन बाकी रह गए हैं तो अपनी खुद की की साज-सज्जा की तैयारियां करने पर भी ध्यान दें। दीपपर्व की उजास में आपकी सजी-धजी मुस्कुराहटों की चमक भी बिखरनी ही चाहिए।

बना रहे उपस्थिति का आलोक

इस दीपावली यह सुनिश्चित करें कि आपकी उपस्थिति का आलोक भी हर ओर फैले। जब सब मेल-जोल में व्यस्त हैं। आपके अपने सब कुछ भूलकर त्योहार की खुशियों को जी रहे हैं तो आप क्यों काम में उलझी हैं? आसमान तक फैली झिलमिलाहट के बीच आप घर के भीतर क्या सहेजने में लगी हैं? आज भी बहुत सी स्त्रियों के लिए यह त्योहार तैयारियों की कभी ना खत्म होने वाली श्रंखला भर बनकर रह जाता है। ऐसे में झिलमिल दीपों से सजे चौखट-चौबारों के बीच आपका मन व्यस्तता के जाल में न उलझे। ध्यान रहे, दीपावली के त्योहार पर मां लक्ष्मी और माता सरस्वती के पूजन का विधान है। अपने संवेदनशील हृदय में भरी ज्ञान रूपी समझ से सुखद मेलजोल जीएं। गृहलक्ष्मी के रूप में आलोकित अपने व्यक्तित्व को जिम्मेदारियां निभाने तक न समेटें। परिवार, घर-द्वार को संभालने के साथ-साथ दीपावली के दीयों की टिमटिमाती मुस्कान के बीच आपकी उपस्थिति की चमक भी जरूरी है।

साझेपन की दमक जरूरी

आप होम मेकर हों या वर्किंग वुमेन, त्योहार की तैयारी में सबका साथ लीजिए। परिवार को उत्सव मनाने में ही नहीं उत्सवीय तैयारियों में भी साथ रखिए। त्योहार के दिन आस-पड़ोस या मित्रों-सगे-संबंधियों के यहां सबके साथ आप भी मिलने जाइए। याद रहे, आपसी मेल-जोल और रिश्तों की रौनक से जुड़ा दीपावली का पर्व खुद को पीछे रखने के बजाय सहज रूप मन की ऊर्जा जुटा लेने का उत्सव है। इसके लिए स्त्रियां अपनों की सहायता लेने में संकोच ना करें। अपने जीवन में साझेपन की चमक भरने का प्रयास करें, ताकि यह जज्बाती दमक जिम्मेदारियों के मोर्चे पर भी दिखे। इतना भर करने से सबकी इच्छाओं और खुशियों का ध्यान रखते हुए आप अपने लिए भी समय निकाल सकेंगी। घर के आंगन में ही नहीं, अंतर्मन में भी इस त्योहार की जगमग को महसूस करेंगी।

अपनों की अहम भूमिका

गृहलक्ष्मी की भाग-दौड़ को समझने का प्रयास अपनों को भी करना चाहिए। झिलमिलाते घर-आंगन में हंसते-मुस्कुराते हुए सब कुछ संभालने वाली परिवार की महिलाओं को बच्चे, बुजुर्ग और जीवनसाथी सभी सहयोग करें। उनको मन से सम्मान दें। याद दिलाएं कि पहनने के लिए उनकी पसंद के पारंपरिक परिधानों की तैयारी भी उन्हें ही करनी है। मिठाइयों की सूची थोड़ी छोटी रही तो भी चलेगा। 'बहू तुम भी सबके साथ बैठो' भर कहकर बुजुर्ग कई दिनों की भाग-दौड़ से फीके पड़े चेहरे की चमक लौटा सकते हैं। 'मम्मा हमारे साथ-साथ आप भी अच्छे से तैयार हो जाओ ना!' जैसे शब्द दीपावली की तैयारियों में जुटी मां की मुस्कुराहट की चमक दे सकते हैं। 'गृहलक्ष्मी की सज-धज बिना कैसा त्योहार' कहने वाले जीवनसाथी की अनुभूतियों से मिली आभा मन को नई दमक दे जाती है। अपनों का यह साथ-स्नेह घर की महिलाओं के लिए इस पर्व की रौनक और बढ़ा देगा। असल में बड़ों-छोटों की यह ज्योतिर्मय सोच स्त्रियों को कई उलझनों से बचा लेती है। दीपावली का त्योहार एक-दूजे के साथ खुशियां बांटने की परंपरा है। उत्सव के वास्तविक मायने तो तभी हैं, जब घर का हर सदस्य इस रीत की रौनक को जीए।

सुख-शांति-समृद्धि के लिए दीपावली से पहले

घर से निकालें नकारात्मक ऊर्जा

हर कोई चाहता है कि उसके घर में सुख, शांति बनी रहे और समृद्धि आए। इसके लिए दीपावली एक अच्छा अवसर है। आप वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ बातों को ध्यान रखकर अपने घर में सुख, शांति के साथ समृद्धि ला सकती हैं।

वास्तु

निकिता चौहान

जब दीपावली जैसा बड़ा पर्व आता है, परिवार में उत्सवी माहौल हो जाता है, मन उमंग-तरंग से भर उठता है। लेकिन दीपावली की खुशियों में कोई बाधा ना आए, त्योहार खुशी के साथ मनाया जा सके, इसके लिए जरूरी है कि आप वास्तु शास्त्र के अनुसार घर से नकारात्मक ऊर्जा को निकालें। भारतीय वैदिक वास्तु हमारे पारंपरिक ज्ञान से जुड़ा है, जो हमें अपने घर और कार्यस्थल पर पांच मूल प्राकृतिक तत्वों के सामंजस्य से एक सुगमता स्थापित करने में सहायता करता है। वैदिक वास्तु इन पंच तत्वों को उनकी दिशा के अनुसार घर में संयोजित करने की सलाह देता है। दीपावली में हमें वैदिक वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ विशेष उपाय अपनाने चाहिए, जिससे घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाएगी और हमारा स्वास्थ्य सही रहेगा, घर में सुख- शांति रहेगी, समृद्धि भी आएगी। ये विशेष उपाय कौन से हैं, जानें-

घर के केंद्र को साफ रखें: दीपावली में सर्वप्रथम अपने घर के केंद्र, जिसे ब्रह्मस्थान कहा जाता है, को साफ-सुथरा बनाएं। वहां बहुत ज्यादा सामान ना हो। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह सही और सुचारु ढंग से होगा।

मिट्टी का दीपक जलाएं: मिट्टी के दीये में गाय के घी से दीपक प्रज्वलित करें। गाय के घी को शुभ और पवित्र ऊर्जा का कारक माना जाता है। इसके अलावा तिल के तेल से दिया प्रज्वलित करने से ग्रहों के दुष्प्रभाव को समाप्त किया जा सकता है। घी, तिल, अरंडी, महुआ और नीम के तेल को मिलाकर प्रज्वलित दीपक पंचदीपम कहलाता है। इससे घर में समृद्धि, परिवार में स्नेह बना रहता है, रोग का नाश होता है। नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव की समाप्ति होती है, साथ ही वंश वृद्धि होती है।

चमकीले रंग का उपयोग करें: दीपावली में हमेशा चमकीले रंग का उपयोग करना चाहिए। दीपावली से पहले या बाद में पेंटिंग और साज-सज्जा करें। इसके अलावा दीपावली में आपको अपने घर या कार्यालय के प्रवेश द्वार के पास खास साफ-सफाई करना चाहिए।

पोंछे में समुद्री नमक डालें: घर में पोंछा लगाते समय पानी में थोड़ा समुद्री नमक मिला दें फिर पोंछा लगाएं, इससे नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होने में मदद मिलेगी।

नया दर्पण लगाएं: घर में नया दर्पण लगाएं ताकि लाइट ज्यादा चमके और सकारात्मक वातावरण बने। दीपावली के अवसर पर अपने घर के द्वार पर पौधों वाला गमला रखें। पौधा एक तरह से जीवन का प्रतीक होता है, इसलिए आपके घर में सकारात्मक वातावरण बनाने में सहायक रहता है।

मंत्र जाप करें: दीपावली के दिन खासकर घर में धार्मिक मंत्रों का उच्चारण करने वाले ऑडियो को मधुर आवाज में लगाएं। इससे अपने घर में भरपूर सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगी। परिवार में सब स्वस्थ रहेंगे। प्रेम-स्नेह भी बना रहेगा।

(वास्तु-ज्योतिष विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंह से बातचीत पर आधारित)

दीपावली जैसा बड़ा पर्व हो तो इसकी भव्य तैयारी जरूरी हो जाती है। यह तैयारी वर्किंग वूमेन के लिए एक बड़े टास्क जैसी होती है, क्योंकि उसे ऑफिस के कामों के साथ, घर में भी त्योहार की तैयारी करनी होती है। इस दोहरी जिम्मेदारी के बीच वर्किंग वूमेन कैसे बैलेंस बैठाएं, जानिए।

टाइम मैनेजमेंट के साथ करें फेस्टिवल की तैयारी

फैमिली से लें हेल्प-करें फुल एंज्वॉय

वर्किंग वूमेन

अलका सोनी

दीपावली का पर्व सिर्फ लक्ष्मी पूजन, पटाखे और मिठाइयों तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि इसकी चमक-दमक के पीछे महीनों की तैयारी छिपी होती है। घर के हरेक कोने की झाड़-पोंछ, सजावट, नए कपड़े, पकवान और रिश्तेदारों की आवभगत, इन सबका बोझ ज्यादातर महिलाओं के कंधों पर रहता है। महिला अगर काम-काजी है, तो दीपावली की तैयारी करना उसके लिए आसान नहीं होता, काफी मुश्किलें आती हैं। लेकिन सही ढंग से मैनेज किया जाए तो मुश्किलें आसान हो सकती हैं। इस संबंध में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में कार्यरत गुंजन सिंह कहती हैं, 'वर्किंग होने के साथ त्योहारों की तैयारी थोड़ी मुश्किल हो जाती है, लेकिन टाइम मैनेजमेंट से त्योहार को पूरी तरह एंज्वॉय करने का मौका मिल सकता है। मैं दिवाली के बीस दिन पहले से थोड़ी-थोड़ी तैयारी करने लगती हूं। इससे एकसाथ मुझ पर काम का बोझ नहीं पड़ता। दिवाली का सामान उसकी प्राथमिकता के हिसाब से लाती जाती हूं, एक लिस्ट बना लेती हूं, फिर ऑफिस से आते वक्त इन्हें लाती रहती हूं।'

महिलाओं की दोहरी जिम्मेदारी: भारतीय परिवारों में त्योहार की तैयारी का काम पीढ़ियों से महिलाओं की जिम्मेदारी ही माना गया है। दादी-नानी के समय में यह काम सहज रूप से घरेलू जीवन का हिस्सा था। तब अधिकतर महिलाएं गृहिणी थीं, इसलिए पूरा ध्यान घर के सभी कामों को करने और मेहमानों की देखभाल में बीतता था, लेकिन बदलते समय के साथ महिलाएं शिक्षा और नौकरी के क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं। ऐसे में उन पर जिम्मेदारियों का भार दोगुना हो गया है।

टाइम मैनेजमेंट का प्रेशर: ऑफिस की डेडलाइन और त्योहार की डेडलाइन, दोनों को साथ लेकर चलना एक आर्ट है। हर महिला इसे अपने तरीके से सीखती है। ऑफिस के कामों के साथ घर में भी त्योहारों की रौनक कायम रखने पर ध्यान दिया जाए तो दोनों के बीच अच्छा संतुलन बनाया जा सकता है। बस उन्हें अपने परिजनों की थोड़ी मदद की दरकार होती है।

हो स्मार्ट प्लानिंग: वर्किंग वूमेन के पास समय की कमी होती है। इसलिए समय बचाने और सारा काम पूरा करने के लिए ये महिलाएं 'टू-डू लिस्ट' और कैलेंडर बनाकर हफ्तों पहले तैयारी शुरू कर देती हैं। एक दिन सफाई, दूसरे दिन बाजार, तीसरे दिन उपहारों की पैकिंग। इस तरह काम को छोटे हिस्सों में बांटकर करने से काम आसानी से हो जाते हैं। साथ ही ऑनलाइन शॉपिंग, एप-बेस्ड क्लीनिंग सर्विस, तैयार मिठाइयों की होम-डिलीवरी जैसी सुविधाएं आज त्योहारों की तैयारी को आसान बना रही हैं। आज की महिलाएं यह समझती हैं कि दिवाली का मतलब तनाव नहीं, खुशी है। इसलिए वे ऑफिस से छुट्टियां पहले से प्लान कर लेती हैं।

जरूरी है परिवार की भागीदारी

जीवन में हम परिवार की अहमियत को अनदेखा नहीं कर सकते। परिवार को मानव की प्रथम पाठशाला भी कहा जाता है। यानी कि पीढ़ियां अपने परिवार से ही सीखती रही हैं। अतः यह समझने की जरूरत है कि घरेलू कार्यों के लिए सिर्फ महिलाएं ही जिम्मेदार नहीं हैं, घर के पुरुषों और बच्चों को भी त्योहार की तैयारियों में हाथ बंटाना चाहिए। इससे सारे काम आसानी से संपन्न हो जाएंगे।

हेयर केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

प्रदूषण से बालों को ऐसे बचाएं

बालों का कमजोर होना, झड़ना, रूसी और उम्र से पहले बालों के सफेद होने जैसी समस्याओं को लेकर कई महिलाएं परेशान रहती हैं। कुछ घरेलू उपचार से इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। आप चाहें तो बालों की इन समस्याओं के लिए मुलेठी पावडर को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल और भी ज्यादा हेल्दी और शाइनी हो जाएंगे।

डेंड्रफ के लिए: डेंड्रफ की प्रॉब्लम दूर करने के लिए सबसे पहले कांच के जार में एक चम्मच मुलेठी पावडर, आधा चम्मच नीबू का रस और एक चम्मच शहद को अच्छी तरह मिलाएं। इस तरह तैयार पेस्ट को अपने सिर और बालों में लगा लें। आप इसे हफ्ते में दो बार लगा सकती हैं। मुलेठी में एंटी बैक्टीरियल गुण होते है, जिसके कारण यह डेंड्रफ की प्रॉब्लम को दूर करता है।

हेयर फॉलिंग: बाल झड़ना यानी हेयर फॉल या बाल्डनेस की प्रॉब्लम के लिए भी आप मुलेठी पावडर को अप्लाई कर सकती हैं। सबसे पहले कांच के बर्तन में एक चम्मच मुलेठी पावडर, कुछ केसर के धागे और 1 कप दूध या दही डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इसे रात के समय अपने बालों पर लगाएं और शॉवर कैप से बालों को कवर करके सो जाएं। सुबह आप अपने बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

हेल्दी हेयर के लिए: हेल्दी हेयर के लिए हेयर मास्क काफी इफेक्टिव माना जाता है। इसे बनाने के लिए कांच के बाउल में आधा पका केला, 2 चम्मच मेहंदी पावडर और 1 चम्मच मुलेठी पावडर को अच्छे से मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को बालों पर 45 मिनट तक लगाने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए हेयर मास्क को आप हर हफ्ते में एक बार लगा सकती हैं। बेजान और कमजोर बालों के लिए एक कटोरे में पांच चम्मच मुलेठी पावडर, 1 कप दही और 2 चम्मच जैतून का तेल डालकर इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को अपने सिर और बालों पर अच्छी तरह लगाकर, आधे घंटे बाद बालों को ताजे और साफ पानी से धो लें, इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी।

सफेद बाल: पचास-साठ की उम्र से पहले सफेद हुए बालों की समस्या से बहुत सी युवा और मिडएज की महिलाएं परेशान रहती हैं। इस समस्या से बचाव के लिए भी मुलेठी पावडर का उपयोग काफी कारगर हो सकता है। इसके लिए मुलेठी पावडर और थोड़ी मात्रा में सरसों के तेल को मिलाकर, इसे अपने बालों पर लगा लें। यह आपके हेयर फॉल की प्रॉब्लम के साथ बालों में आई असमय सफेदी को भी कम कर सकती है। इसके लिए, दही और मुलेठी पावडर का पेस्ट भी काफी फायदेमंद साबित होता है।

डेकोरेशन

श्रुति आयंगर

दीपावली के अवसर पर हर कोई चाहता है कि उसका घर-आंगन सबसे खूबसूरत दिखे। आप भी अपने घर को आकर्षक दिखाने के लिए तैयारियों में जुटी होंगी। हम यहां आपको कुछ ऐसे यूनीक आइडियाज बता रहे हैं, जिससे आपका घर ऐसा दमक उठेगा कि सब तारीफ करेंगे।

खूबसूरत-आकर्षक दिखेगा आपका आशियाना

दिवाली सिर्फ रोशनी करने, आतिशबाजी करने, तरह-तरह के व्यंजन खाने-खिलाने का त्योहार नहीं है। इस अवसर पर घर के हर कोने को सजाया भी जाता है। हम आपको घर डेकोरेट करने के कुछ आसान लेकिन अट्रैक्टिव लुक देने वाले तरीके बता रहे हैं।

एंटीक-हैंडीक्राफ्ट आइटम्स: ब्रास, कॉपर, सिल्वर टोन के शोपीसेस और हैंडीक्राफ्ट आइटम्स घर को रॉयल लुक देते हैं। छोटे-छोटे लैंप्स, हैंड पेंटेड ट्रे, मूर्तियां, ब्रास या कॉपर के वास, लंबे दीया स्टैंड, टेराकोटा आर्ट पीस, वुडेन क्राफ्ट, क्ले पॉट्स, मेटल वॉल हैंगिंग, पेंटेड बॉटल्स, झूमर, घंटियां और पीतल के शोपीस ये सभी घर को फेस्टिव टच देते हैं। इन्हें कॉर्नर टेबल, विंडो साइड टेबल या घर के एंट्रेंस पर साइड टेबल पर रखें तो और भी अच्छा दिखेगा।

थीम बेस्ड डेकोरेशन: हाल के सालों में दीपावली पर थीम बेस्ड डेकोरेशन का क्रेज भी काफी बढ़ा है। आप चाहें तो गोल्डेन थीम फॉलो कर अपने घर को रॉयल-क्लासी टच दे सकती हैं। पेस्टल थीम से घर को सॉफ्ट और ट्रेंडी लुक मिलेगा। इस ऑकेजन के लिए ट्रेडिशनल रेड-ग्रीन डेकोरेशन को भी शुभ माना जाता है। अगर आप कुछ डिफरेंट डेकोरेशन चाहती हैं तो मल्टीकलर या कोई ट्रेडिशनल थीम भी अपना सकती हैं। जो थीम आप सेलेक्ट करें उसी के अनुसार पर्दे, टेबल कवर, रनर और डेकोरेटिव आइटम्स का भी चुनाव करें।

रि-स्टाइल करें फर्नीचर: जरूरी नहीं कि दीपावली पर नए फर्नीचर ही खरीदे जाएं। इसकी बजाय पुराने फर्नीचर को रि-स्टाइल भी करवा सकती हैं। सोफा या चेयर को दीवार के किनारे से हटाकर सर्कल या स्क्वेयर में अरेंज कर सकती हैं। पुराने सोफे का बेस और बैक कुशन बदलें।

लाइटिंग हो खास: दीपावली के मौके पर हैंडमेड बाती लैंप, शेड लाइट और शैडो लाइट्स काफी पसंद की जाती हैं। ये पीसेस घर को रोशन करने के साथ-साथ स्टाइलिश और पर्सनल टच भी देती हैं। ड्राइंग रूम में डेकोरेटिव लैंप, हैंगिंग लालटेन और वॉल लैंप्स लगाकर घर को आकर्षक लुक दे सकती हैं। इंडोर प्लांट्स के आस-पास छोटे रंगीन बल्बों वाली लाइट्स लगा सकती हैं। बालकनी और लॉन के लिए फेयरी लाइट्स, स्टार प्रोजेक्टर, एलईडी स्ट्रिप और लालटेन का उपयोग करना अलग टच देगा। पूरे आंगन को जगमगाने के लिए एलईडी और सोलर लाइट्स सबसे स्मार्ट ऑप्शन हैं।

शीशे से करें सजावट: गोल या चौकोर आकार के छोटे शीशों के टुकड़ों को लंबी, पतली रंगीन पट्टी पर चिपकाकर दीवारों पर सजाया जा सकता है। दरवाजे पर शीशों का तोरण भी बहुत खूबसूरत लगता है।

फूलों से सजाएं घर: गेंदे के नकली फूलों की लड़ी, जिसमें छोटी घंटियां लगी हों, सीढ़ी की रेलिंग पर लटका सकती हैं। आप असली फूल भी लगा सकती हैं।

(इंटीरियर एक्सपर्ट अनामिका शर्मा से बातचीत पर आधारित)

रहस्यमयी बुखार से नाबालिग की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत बसकर निवासी नाबालिग रहस्यमयी बुखार की चपेट में आकर असमय ही काल के गाल में समा गया। इस संबंध में बताया जाता है कि ग्राम पंचायत बसकर निवासी शोभित बरगाह का 17 वर्षीय पुत्र मोहर साय पिछले कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित था। उसका इलाज स्थानीय बरपारा स्वास्थ्य केन्द्र में चलने पर भी दो दिन बुखार नहीं उतरने पर उसके परिजनों ने अम्बिकापुर स्थित होलीक्रास हास्पीटल में दाखिल कराया था। जहां उसका बुखार से शरीर तपता रहा है और बुखार न उतरने के कारण उसकी मृत्यु हो गई।

इन दिनों क्षेत्र में मौसमी सर्दी, खांसी और बुखार का प्रकोप जारी है।

डीएलएसए ने माँ-बेटी को दिलाई राहत, बेटे को भेजा नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिस बेटे से माँ ने बुढ़ापे में सहारे की उम्मीद की थी, उसी ने नशे के गिरफ्त में आकर उन्हें और उनकी छोटी बेटी को दहशत के माहौल में जीने को मजबूर कर दिया। आए दिन की मारपीट, गाली-गलौज और नशे के लिए पैसों की मांग से तंग, माँ बेटी को आखिरकार घर से ही निकाल दिया, लेकिन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर इस लाचार माँ के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा और न केवल उन्हें सुरक्षा दिलाई, बल्कि बेटे को भी इलाज के लिए नशा मुक्ति केन्द्र में दाखिला कराया। उम्मीद का सहारा बना विधिक सेवा प्राधिकरण परेशान माँ-बेटी को जब पीएलव्ही उमेश कुमार के माध्यम से यह पता चला की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विधिक सलाह और सहायता उपलब्ध कराता है, तो वे अपनी समस्या लेकर डीएलएसए कार्यालय पहुँची। उन्होने अपनी पूरी व्यवस्था सचिव पायल टोपनो को बताई। सचिव पालय

टोपनों ने उस माँ की आर्थिक कमजोरी और बेबसी को समझते हुए तत्काल संवेदनशीलता दिखाई। उन्होने कार्यालय में उपस्थित अधिकार मित्र को पीडित मों की ओर से नशा मुक्ति केंद्र में दाखिले हेतु तुरंत आवेदन तैयार करने मदद करने के निर्देश दिये। त्वरित कार्यवाही से मिली राहत-आवेदन मिलते ही, सचिव पायल टोपनो ने बिना देर किए थाना प्रभारी को पत्र जारी किया, इसमें निर्देशित किया कि पीडिता माँ के बताए परिस्थितियों की करते हुए आवेदिका के पुत्र की सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण कराकर नशा मुक्ति केंद्र में दाखिला कराया जाए। डीएलएसए के इस पत्र का संज्ञान लेते हुए कोतवाली प्रभारी ने तत्परता दिखाई, तत्काल आरक्षक और थाने में नियुक्त पीएलव्ही चीरंजीव लाल की एक संयुक्त टीम तैयार किया की गई। टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए नशे के आदि हो चुके पुत्र को रेस्क्यू किया, मेडिकल कराया और उसे सफलतापूर्वक सबरी सेवा संस्थान द्वारा संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र सूरजपुर में दाखिला करा दिया। यह पूरी कार्यवाई श्रीमती विनीता वार्नर, अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। डीएलएसए के इस मानवीय हस्तक्षेप से न केवल मों और बेटी को घरेलू हिंसा और दहशत से राहत मिली, बल्कि उनके बेटे को भी इलाज और जीवन में बदलाव का मौका मिला। यह घटना दर्शाती है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जरूरतमंदों के लिए केवल एक कानूनी संस्था नहीं, बल्कि त्वरित राहत और मानवीय सहायता का एक शक्तिशाली संघ है।

प्रकाश इंडस्ट्रीज ने लिया 65 टीबी के मरीजों को गोद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

भैयाथान। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा रजत महोत्सव 2025 टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा 65 टीबी के मरीजों को पोषण किट का वितरण किया गया। इनमें भैयाथान और ओड़गी विकासखंड के उक्त 65 टीबी के मरीजों को कंपनी द्वारा गोद लेते हुए टीबी की दवाएं और एक वर्ष तक पोषण किट प्रदान किया जाएगा।

इस दौरान सीएमएओ डॉ आर डी पैकरा, डीटीओ डॉ जे एस सरोता, बीएमओ भैयाथान डॉ राकेश सिंह, प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीनियर जीएम डी पात्रा, एजीएम विजय कुमार, मैनेजर पीके सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

विशालपुर स्कूल में हुआ किशोर सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में ओड़गी ब्लॉक के शासकीय पूर्व

माध्यमिक शाला विशालपुर में बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत किशोर किशोरियों के साथ किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम किया गया। इसमें गुड टच बेड टच, रूप नहीं गुण, आज हमने क्या सीखा, पढ़ाई का कोना, घरेलू हिंसा, लिंग आधार हिंसा एवं बाल विवाह जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा हुआ साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 112 की जानकारी दी गई। इस जागरूकता कार्यक्रम में यूनिसेफ एग्रिकोन फाउंडेशन से ब्लॉक समन्वयक श्री धनराज जगते और प्रधान पाठक एवं सभी शिक्षक गण उपस्थित रहे कार्यक्रम अनुशासन में रहकर संपन्न हुआ।

सर्वेक्षण, निरीक्षण, आदेश, निर्देश और जमकर राजनीति के बाद अंततः हुआ रपटे का निर्माण शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत खुटरापारा स्थित गोबरी नदी पर बने पुल के टुटने के 3 माह बाद अब रपटा का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो सका है। विदित हो कि ग्राम पंचायत खुटरापारा स्थित गोबरी नदी पर बना पुल रेत के अवैध उत्खनन के कारण धंस कर विगत 30 जून को टूट गया था। महिला बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े, उनके पति ठाकुर प्रसाद राजवाड़े, भाजपा भैयाथान मंडल अध्यक्ष सुनील साहू के क्षेत्र में लगातार

आगमन और ग्रामीणों और लोनिवि सेतु के अधिकारियों को लगातार मिल रहे आश्वासन, दिशानिर्देश, सर्वेक्षण, निरीक्षण के बाद विपक्ष के जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, जनपद सदस्य राजू गुप्ता की दी गई आन्दोलन और जनसहयोग से रपटा का निर्माण कराने की चेतावनी के बाद अब कहीं जाकर गोबरी नाले पर विभाग ने रपटा निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया है। हांलाकि जब तक रपटा का निर्माण पूर्ण न हो जाए तब तक दर्जनों ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को 10-12 किमी का अतिरिक्त सफर करना पड़ेगा।

ग्लोबल हैंडवाशिंग डे पर बच्चों को बताया गया स्वच्छता महत्व

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्लोबल हैंडवाशिंग डे के अवसर पर शा.मा.शा. पतरापाली में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दिवस का उद्देश्य

विद्यार्थियों एवं समुदाय के बीच हाथों की स्वच्छता के महत्व को समझाना तथा बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के शिक्षकों द्वारा ग्लोबल हैंडवाशिंग डे के इतिहास एवं महत्व की जानकारी देने से हुई। शिक्षकों ने बताया कि साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोने की आदत अपनाने से अनेक संक्रामक बीमारियों से बचाव संभव है। विद्यार्थियों को हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन कर व्यावहारिक जानकारी दी गई। मध्याह्न भोजन से पूर्व सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से हाथ धोकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर बच्चों में स्वच्छता के प्रति रुचि जागृत करने के लिए नारा एवं प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने संदेश दिया कि स्वच्छ हाथ ही स्वस्थ जीवन की पहचान हैं, और हमें इस आदत को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

महाविद्यालय में हुआ हर दिन हर घर आयुर्वेद संगोष्ठी कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। हर दिन हर घर आयुर्वेद विशेष सप्ताह के अंतर्गत चांदनी, बिहारपुर महाविद्यालय में बुधवार को

आयुर्वेद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शासकीय आयुर्वेद औषधालय, बिहारपुर चांदनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि एवं मां सरस्वती की वंदना से हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी और रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र कुमार जायसवाल ने की तथा मंच संचालन फार्मासिस्ट श्री योगेश पटेल ने किया। डॉ. आशीष कुमार शर्मा, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी ने समग्र स्वास्थ्य हेतु आयुर्वेद का महत्व विषय पर पावर पॉइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने आयुर्वेद के सिद्धांतों, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं जीवनशैली सुधार की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. उपेन्द्र सिंह, होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी ने माइंड, बॉडी और सोल के समन्वय से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभ विषय पर व्याख्यान दिया। वहीं डॉ. श्वेता भगत, आयुर्वेद चिकित्सक ने आयुर्वेद पथ्य-अपथ्य एवं आहार-विहार विषय पर उपयोगी जानकारी दी। संगोष्ठी के दौरान छात्र-छात्राओं ने प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेषज्ञों द्वारा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। उपस्थित अतिथियों को औषधीय पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और आयुर्वेद से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से लाभान्वित हुए।

एग्री स्टैक पोर्टल में कृषकों की जानकारी अद्यतन करने आज से शिविर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एग्री स्टैक पोर्टल में जिले के अनेक कृषकों के भूमि की जानकारी प्रविष्टि नहीं की गई है। जिसके संबंध में कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा जिले के सभी समितियों में कैम्प लगाकर कृषकों की व्यक्तिगत जानकारी की प्रविष्टि तथा किसानों का डाटा कैरी फॉरवर्ड शत प्रतिशत पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है।

अनुविभाग सूरजपुर अंतर्गत समिति प्रबंधक आदिम जाति सेवा सहकारी समिति को निर्देशित किया गया है कि मोबाईल एवं अन्य उचित माध्यमों से किसानों से संपर्क करते हुए समिति के कार्यक्षेत्र के ग्रामों में कैम्प का आयोजन किया जाये और कृषकों की उपस्थिति दर्ज की जाए। उल्लेखनीय है कि उक्त कैम्प में संबंधित क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी एवं सी.एस.सी. के कर्मचारी, ऑपरेटर की उपस्थित भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

इसके अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सूरजपुर, बसदेई, डुमरिया, मानी, कसलगिरी, सिलफिली, लटोरी, कल्याणपुर, जयनगर, रामनगर एवं कंदरई के विभिन्न ग्राम पंचायत में 16 से 18 अक्टूबर तक शिविर का आयोजन किया जायेगा। किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों में अपने नजदीकी कैम्प में उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेजों सहित अपनी जानकारी अद्यतन करवाएं, ताकि एग्री स्टैक पोर्टल पर उनका डाटा सही तरीके से दर्ज किया जा सके।

सीपीआर प्रशिक्षण में पुलिस जवानों ने सीखा जीवन रक्षक उपाय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सीपीआर जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत जिले में बुधवार को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह सचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, चेयरमैन, वाइस चेयरमैन एवं समस्त सदस्यों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में सभी पुलिस जवानों को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का संचालन डॉ. शुभम सिंह एवं डॉ. पारुल द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सकों ने जवानों को सीपीआर की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी तथा प्रैक्टिकल डेमो के माध्यम से प्रत्येक जवान को सीपीआर देने की विधि सिखाई। उन्होंने बताया कि हार्ट अटैक के प्रमुख कारण क्या होते हैं, किन लक्षणों से इसे पहचाना जा सकता है तथा समय पर सीपीआर देकर किसी व्यक्ति का जीवन कैसे बचाया जा सकता है। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों और सुरक्षा बलों को हृदयाघात जैसी आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक उपचार देने के लिए प्रशिक्षित करना था, ताकि संकट की घड़ी में जीवन बचाया जा सके।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला संगठक संदीप गुप्ता, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग सूरजपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

क्रमांक 3873/एन.आई.टी. 07/2025-26/व.ले.लि. दिनांक 09.10.2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि :- 22.10.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 30.10.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 31.10.2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एन.आई.टी. क्र./निविदा क्र.	कार्य नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में) बैंक साल्वेंसी (रू.में) कार्य पूर्णता हेतु अवधि
7 T0055	परिवार न्यायालय भवन सूरजपुर में मध्यस्थता कक्ष, विडियो कान्फ्रेसिंग कक्ष एवं शौचालय मरम्मत कार्य।	5.88/4410.00/88200.00 02 माह (वर्षा ऋतु सहित)
7 T0056	पॉलिटेक्निक हॉस्टल सूरजपुर में वाटर प्रुफिंग, एफ टाईप क्वार्टर में रिपेयरिंग एंड रंगाई-पोताई बाउण्ड्रीवॉल में व्हाईट वाशिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	9.96/7470.00/149400.00 02 माह (वर्षा ऋतु सहित)

नियम व शर्ते :
ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' में पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकेंगे, निविदा प्रपत्र की कीमत 750.00 प्रति निविदा फार्म है, निविदा संबंधी अन्य शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग, सूरजपुर

जी-252604170/1

नल जल योजनाओं के 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण : साव

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। हर घर नल से जल पहुंचाने की केंद्र सरकार और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन में कार्य पूर्णता के मामले में रायपुर जिला धमतरी के बाद राज्य में दूसरे स्थान पर है। यहां 95 प्रतिशत काम पूर्ण कर लिया गया है। रायपुर जिले में मिशन के अंतर्गत शामिल 477 गांवों में से 247 में काम पूर्ण कर जल आपूर्ति प्रारंभ की जा चुकी है। इन गांवों में नल जल योजनाओं को संचालन और संधारण के लिए ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी हैं। अब वहां ग्राम पंचायतें पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था का संचालन व संधारण कर रही हैं।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, रायपुर के कार्यपालन अभियंता श्री अनिल कुमार बच्चन ने बताया कि मार्च-2026 तक रायपुर जिले के 126 और गांवों में सभी कार्यों को पूर्ण कर हर घर नल से जल की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन में रायपुर जिले के सभी 477 गांवों में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए कुल 393 पानी टंकिया बनाई जाएंगी जिनमें से 377 का निर्माण पूर्ण हो गया है तथा शेष 16 पानी टंकियां निर्माणाधीन हैं। बच्चन ने बताया कि रायपुर जिले में जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजनाएं बनाने तथा स्वीकृति का कार्य वर्ष 2020-21 में प्रारंभ हुआ था। अलग-अलग चरणों में अलग-अलग गांवों के लिए योजना बनाकर इसका क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि सभी गांवों में कार्यों के निविदाएं ऑनलाइन आंमत्रित की गई हैं तथा नियमानुसार सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर कार्यादेश जारी किए गए हैं।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

जिला ग्रंथालय के नवीन भवन का प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों ने किया शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले के विद्यार्थियों के लिए बुधवार का दिन ऐतिहासिक रहा। शासकीय जिला ग्रंथालय, के नवीन भवन का शुभारंभ पीएससी, व्यापम सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के हाथों किया गया। डीएमएफ मद से महज छह माह की अल्प अवधि में तैयार हुए इस आधुनिक भवन के प्रारंभ होने से विद्यार्थियों को अब बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा। नवीन भवन में छात्रों के अध्ययन के लिए फ्री वाई-फाई सुविधा, नवीन पुस्तकों का संकलन, रोशनीदार अध्ययन कक्ष, स्वच्छ शौचालय, पेयजल एवं शांत अध्ययन वातावरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कलेक्टर विलास भोसकर ने अपने संबोधन में कहा कि पढ़ाई के लिए केवल टेबल, रौशनी और पुस्तकों की आवश्यकता होती है। यह सब आपको इस नवीन भवन में उपलब्ध है। आगे बढ़ना है तो अपनी मेहनत और लगन को अपना सबसे बड़ा साथी बनाइए। आत्मविश्वास के साथ पढ़िए और लगे रहिए जब तक मुकाम न मिले। जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि जब हम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते थे, तब इतने संसाधन उपलब्ध नहीं थे। आज आपके पास वाई-फाई, पुस्तकें और आधुनिक ग्रंथालय जैसी सुविधाएं हैं। मोबाइल के अनावश्यक उपयोग से बचें और क्वालिटी मटेरियल के साथ स्मार्ट अध्ययन करें। आत्मविश्वास ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है, जिससे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। अपर कलेक्टर सुनील नायक ने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आप अपनी परिस्थितियों की परवाह किए बिना केवल पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें, सफलता अवश्य मिलेगी। हम जैसा सोचते हैं, वैसा ही बन जाते हैं, इसलिए सदैव सकारात्मक सोच के साथ अध्ययन करें, सफलता अवश्य मिलेगी। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा ने कहा कि भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों को जिला ग्रंथालय का यह नवीन भवन एक प्रेरणादायी उपहार के रूप में मिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पढ़ाई के लिए संसाधनों की नहीं, बल्कि लगन और मेहनत की आवश्यकता होती है। सफलता उन्ही को मिलती है जो धैर्यवान और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं। कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर डीएन कश्यप, पीडब्ल्यूडी मुख्य कार्यपालन अभियंता विरेन्द्र चौधरी, डीएमसी सर्वजीत पाठक, एपीसी संजय सिंह सहित ग्रंथालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

साइबर सेल पुलिस टीम ने मोंटफोर्ट स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में साइबर सेल पुलिस टीम ने मोंटफोर्ट स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा, विधिक जागरूकता, बाल संरक्षण अधिनियम, अभिव्यक्ति ऐप के संबंध में जानकारी दी गई।

बढ़ते साइबर अपराधों से विद्यार्थियों को जागरूक करने एवं डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजगता बढ़ाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में साइबर सेल पुलिस टीम द्वारा मोंटफोर्ट स्कूल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, हनी ट्रैप, फेक प्रोफाइल, ओटीपी शेयरिंग, गेमिंग ऐप्स, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, महिला सुरक्षा तथा डेटा प्रोटेक्शन से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कोई भी नागरिक साइबर अपराधियों का शिकार न बने, इस उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा निरंतर जन-जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साइबर सेल एक्सपर्ट प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित व्यवहारिक उदाहरण देते हुए छात्रों को बताया कि किसी भी प्रकार के ऑनलाइन अपराध की शिकायत 1930 हेल्पलाइन नंबर या पोर्टल में करें। उन्होंने संचार साथी पोर्टल के बारे में भी बताया, जिससे चोरी या गुम मोबाइल की शिकायत आसानी से दर्ज की जा सकती है। साथ ही अभिव्यक्ति ऐप एवं 181 महिला हेल्पलाइन की जानकारी देते हुए कहा कि यह एप्लीकेशन महिलाओं की सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने किसी भी अनजान व्यक्ति से प्राप्त लिंक, ओटीपी या कॉल पर भरोसा नहीं करें और हमेशा सोशल मीडिया पर अपने डाटा को सुरक्षित रखने की समझाइस दी। साइबर अपराध के सामान्य रूप बैंकिंग फ्रॉड, फेक कॉल, ऑनलाइन गेमिंग के बारे में बताकर जागरूक किया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछकर साइबर अपराधों से बचने के उपायों के प्रति रुचि दिखाई। साइबर सेल एक्सपर्ट ने छात्र-छात्राओं से आग्रह किया कि वे इस जागरूकता को अपने परिवार एवं समाज तक पहुंचाएं। इन्हें यातायात संबंधी जानकारी देकर यातायात के नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम दौरान साइबर सेल पुलिस टीम एवं मोंटफोर्ट स्कूल के प्राचार्य ब्रदर एस. गेब्रीयल, शिक्षक नितिन कर्ष, प्रांजल सिन्हा, बरखा गोस्वामी, ममता तिवारी, संगीता पाण्डेय, सिस्टर निशा रानी, सिस्टर रीना एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रिश्वत नहीं देने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का दायित्व अपात्र महिला को सौंपा

परियोजना अधिकारी की मांग पूरी नहीं कर पाई बेवा, दस्तावेज देने के बाद भी कार्रवाई नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम देवटिकरा की उषा पैकरा ने कलेक्टर और महिला बाल विकास विभाग के जिला अधिकारी से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की भर्ती में परियोजना अधिकारी पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है, लेकिन शिकायत के बाद भी किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हुई। आरोप फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी दिलाने का भी लगाया गया है।

शिकायतकर्ता उषा पैकरा ने चयनित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संतोषी पैकरा पर फर्जी दस्तावेजों और रिश्वत के सहारे नौकरी करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी दयामनी कुजूर ने भर्ती के दौरान कहा था कि आपका सभी दस्तावेज सही है, कुछ खर्चा देना पड़ेगा। रिश्वत नहीं देने पर योग्य होने के बावजूद सही नंबर नहीं दिया गया और भर्ती में विधवा होने का लाभ भी नहीं दिया गया। इसके साथ ही अपात्र अभ्यर्थी संतोषी पैकरा को रिश्वत के दम पर नौकरी का लाभ दे दिया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग उदयपुर में रिश्वत के दम पर कार्यकर्ता और सहायिका भर्ती में नियुक्ति करने का कई बार मामला आ चुका है। भर्ती के तुरंत बाद ग्राम कुमडेवा के एक युवती ने भी लेन-देन का वीडियो बनाकर वायरल किया था, उसने भी आरोप लगाया था कि परियोजना अधिकारी उदयपुर ने रिश्वत लेकर फर्जी तरीके से नियुक्ति की है, जिसका दस्तावेज कलेक्टर के जनदर्शन में प्रस्तुत किया गया, लेकिन आज तक उस पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो पाई है। इधर बेवा महिला उषा पैकरा न्याय के लिए सरकारी दफ्तरों का चक्कर काट रही है। उन्होंने आरटीआई के तहत फर्जी दस्तावेज हासिल करके कलेक्टर के जनदर्शन में प्रस्तुत किया है। उदयपुर तहसीलदार से जांच प्रतिवेदन 6 माह पहले, 7 जुलाई को मांगा गया था। आरोप है कि उदयपुर तहसील का 6 माह चक्कर लगाने के बाद भी उसकी फरियाद को अनसुना कर दिया गया। कलेक्टर के आदेशों का भी उदयपुर तहसीलदार के द्वारा पालन नहीं करने से महिला खफा है।

दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत करने के बाद भी चुप्पी

कलेक्टर न्यायालय ने तहसीलदार से 7 जुलाई 2025 को पटवारी प्रतिवेदन व पंचायत के पंचनामा को प्रस्तुत करने के लिए कहा था, जिसमें फर्जी दस्तावेजों से नौकरी करना पाया गया है। इसका दस्तावेज शिकायतकर्ता जनदर्शन में प्रस्तुत कर चुकी है। इधर नायब तहसीलदार आकाश गौतम से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट एसडीएम को प्रस्तुत किया गया है। एसडीएम बन सिंह नेताम ने जांच रिपोर्ट आगे प्रस्तुत करने की बात कही। कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जेआर प्रधान भी ज्वाइनिंग के बाद की प्रक्रिया का हवाला देते हुए जांच कराने की बात कर रहे हैं।

वृद्ध फांसी लगाकर खुदकुशी किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम लालमाटी निवासी एक वृद्ध फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। पुलिस ने बताया मृतक ननकू लकड़ा पिता कजरू लकड़ा 65 वर्ष को 14 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे, बैल चराने के लिए जा रही महिलाओं ने उसके घर के बाड़ी में स्थित एक पेड़ में फांसी पर लटके देखा था। इसकी जानकारी मृतक के परिवार के सदस्यों को मिली, और उन्होंने कोतवाली थाना में इसकी सूचना दी। स्वजन का कहना है कि उसकी पत्नी की दिमागी स्थिति पिछले 12-13 वर्ष से ठीक नहीं थी, जिस कारण वह परेशान रहता था। संभवतः इसी कारण वह फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

एनीकट में मछली पकड़ते समय युवक बहा, अब तक नहीं लगा सुराग

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के रामानुजगंज नगर के वार्ड क्रमांक 14 निवासी काशी भुइंया 25 वर्ष, बुधवार दोपहर लगभग 3.30 बजे मछली पकड़ते समय एनीकट में बह गया। देर रात तक युवक का कोई पता नहीं चल सका था। पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोग उसकी तलाश में जुटे हैं। जानकारी के अनुसार काशी भुइंया पिता बैजनाथ भुइंया दोपहर में मच्छरदानी से मछली पकड़ने का जुगाड़ बनाकर एनीकट के पहले गेट पर मछली मार रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और तेज बहाव में गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक ने खुद को बचाने की कोशिश की, परंतु तेज धारा में बह गया। ग्रामीणों ने उसे लगभग 100 मीटर तक बहते हुए देखा, लेकिन कुछ ही क्षणों में वह नजरों से ओझल हो गया। इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण व स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस दल और गोताखोरों की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया, फिलहाल तलाश अभियान जारी है, समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस हादसे ने एक बार फिर एनीकट क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एनीकट के आसपास सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम नहीं हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। बताया गया कि एनीकट निर्माण पर लगभग 9 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई, लेकिन कार्य आज तक पूर्ण नहीं हुआ है। फ्लोर का फर्श अधूरा है, जिस कारण गिरने के बाद किसी के बचने की संभावना लगभग नहीं रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब तक कई लोगों की मौत इस एनीकट में हो चुकी है। क्षतिग्रस्त सरिया और उभरे हुए पत्थर लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाने की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अध्ययनरत बी.पी.एल. श्रेणी के छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए आजाद सेवा संघ ने छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि को बढ़ाने का आग्रह किया है। संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर की आयुक्त को संबोधित ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया है कि छात्रवृत्ति आवेदन से वंचित रहने की स्थिति महाविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के कारण बनी है। इसके लिए अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई थी, लेकिन महाविद्यालय द्वारा इस संबंध में सूचना विद्यार्थियों को समय पर प्रभावी ढंग से उपलब्ध नहीं कराई गई। छात्र-छात्राओं को अंतिम समय में सूचना प्राप्त हुई, जिस कारण अधिकांश पात्र विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत नहीं कर पाए। इसका प्रभाव सीधे गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों के भविष्य और उनकी उच्च शिक्षा पर पड़ेगा। उन्होंने कहा है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। पूर्व भी इस प्रकार की स्थिति बनी थी, जिसके कारण कई पात्र विद्यार्थियों को राज्य शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना के लाभ से वंचित रहना पड़ा था। उन्होंने आग्रह किया है कि छात्रों के भविष्य और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाते हुए विद्यार्थियों के हित में बी.पी.एल. छात्रवृत्ति फॉर्म भरने की अंतिम तिथि को कम से कम तीन दिन के लिए बढ़ाया जाए। इस दौरान छात्र मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रतीक गुप्ता, नीतीश भाई पटेल, सक्षम कश्यप उपस्थित रहे।

अणुव्रत ने किया इको फ्रेंडली फेस्टिवल का आव्हान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में, अणुव्रत समिति अंबिकापुर ने सरस्वती शिशु मंदिर और सरस्वती कॉलेज सुभाषनगर में इको फ्रेंडली फेस्टिवल के आव्हान के साथ कार्यक्रम आयोजित करके इको फेस्टिवल के महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा ने डाला। उन्होंने कहा कि स्वदेशी दिये, तेल और सजावटी खुशियां प्रकृति के करीब है। प्राध्यापिका आराधना त्रिपाठी ने पटाखों ने निकलने वाले धुएं से स्वास्थ्य को होने वाली हानि पर जोर देते हुए सार्थक त्यौहार मनाने की प्रेरणा दी। कुछ विद्यार्थियों ने कविता पाठ और भाषण में हिस्सा लिया, रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। आभार प्रदर्शन प्राचार्य ऋषि सिंह ने और कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता आराधना त्रिपाठी ने किया। इस दौरान अणुव्रत समिति की सदस्य प्रतिमा त्रिपाठी, एनएसएस प्रभारी धर्मेन्द्र श्रीवास्तव उपस्थित थे।

संत हरकेवल महाविद्यालय में महिला उत्पीड़न, हिंसा, निवारण समिति की बैठक संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में महिला उत्पीड़न, हिंसा, निवारण विषय पर प्रेरणादायी जागरूकता बैठक महिला उत्पीड़न, शिकायत निवारण, लिंग हिंसा समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि वंदना दत्ता सदस्य, वसुधा महिला मंडल, शिल्पा पांडे सदस्य विजन सोसाइटी, हिना खान सदस्य उमंग महिला एवं बाल उत्थान संगठन, रश्मीत कौर काउंसलर एवं सहायक प्राध्यापक पी.जी. कॉलेज, प्रियंका जगत अभिभावक प्रतिनिधि, महाविद्यालय समिति की संयोजक डॉ.पूजा दुबे एवं सदस्य सुमन पांडे, डॉ.रानी पांडे, चंदा सिंह, नीरु त्रिपाठी तथा श्वेता तिवारी रहीं। बैठक का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समानता की भावना को प्रोत्साहित करना तथा समाज में महिला सशक्तिकरण की चेतना को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। वंदना दत्ता ने समाज में स्त्रियों के वास्तविक स्थिति को प्रदर्शित करते हुए नारी सशक्तिकरण और उत्थान से संबंधित अनेक प्रकार की कार्यों से अवगत कराया। रश्मित कौर ने नई ऊर्जा और जोश के साथ समाज के सामने बहुत सारे ऐसे मुद्दों को रखा, जिसे मॉडर्न युग में शर्म युक्त, दबी सहमी आवाज से पेश किया जाता है। उन्होंने कहा कि महिला की शारीरिक बनावट या कोई भी क्रियाकलाप शर्म की नहीं बल्कि शक्ति और गौरव की बात है। जगत जननी के रूप में ईश्वर ने हमें इस सृष्टि का हिस्सा बनाया है। बैठक में नारी उत्पीड़न एवं निवारण से संबंधित अनेक प्रकार की समसामयिक सामाजिक मुद्दे को आगे बढ़ते हुए अन्य वक्ताओं ने अपनी बातों को सामने रखा। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अंजन सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन तथा बीएड प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के सहयोग से संपन्न हुआ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर